संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 10
पृष्ठ 8
शुक्रवार
25 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित
Email : shaharsamta@gmail.com
Website : https://Shaharsamta.com
सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ब्यूटीफुल स्किन के लिए नारियल...
विचार- विद्यार्थियों की संख्या सवा तीन...
खेल- अजीत अगरकर का चीफ सेलेक्टर...

विविधता में एकता के अनुभव को हिंदुस्तान के हर कोने में पहुंचाएं : पीएम मोदी

बीकानेर,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को सेवा संकल्प यात्रा के प्रतिभागियों का आह्वान किया कि वे यात्रा के दौरान लिये गये विविधता में एकता के अनुभव को हिंदुस्तान के हर कोने में पहुंचाएं। श्री मोदी ने गुरुवार को वर्चुअली संवाद किया। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि गांव–कस्बे ज्ञान और समाधान का समृद्ध खजाना है। एक गांव का प्रयोग दूसरे गांव के काम आएगा और एक युवा का समाधान दूसरी युवा की ताकत बनेगा। उन्होंने कहा कि भारत में यात्रा और सेवा दोनों ही सामाजिक संस्कार से जुड़े रहे हैं। एक व्यक्ति और एक पार्टी के कार्यकर्ता के तौर पर इन यात्राओं से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। ये यात्राएं करुणा, विनम्रता और अनुशासन सिखाती हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी राष्ट्र निर्माण कर रहे हैं। 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में युवा शक्ति की बहुत बड़ी भूमिका है। श्री मोदी ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। हमारी परंपरा भी नर सेवा नारायण सेवा की है। जब शासन के मूल में सेवा का भाव होता है, तो हर नीति के केंद्र में श्नागरिक देवो भवश का संकल्प होता है। यही सेवा भाव देश की नीतियों में लागू होता है तभी देश आगे बढ़ता है। नयी–नयी योजनाएं जन्म लेती हैं। करोड़ों जरूरतमंदों को मुफ्त अनाज और आयुष्मान जैसी योजनाओं के मूल में सेवा का भाव ही है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी विकसित भारत की निर्माता है। इसके लिए उन्हें देश को समझना, सामाजिक वर्गों से मिलना और उनकी आकांक्षाओं को समझना बहुत जरूरी है। इसमें सेवा संकल्प यात्रा निश्चित रूप से अहम भूमिका निभाने वाली है। इसके प्रतिभागी जहां भी जा रहे हैं, वहां संवाद और जनभागीदारी के सेतु बना रहे हैं। सेवा भाव से किया गया हर काम याद रखा जाता है। इससे पहले श्री मोदी ने सेवा संकल्प यात्रा के प्रतिभागियों से संवाद करके उनके अनुभव जाने। इस दौरान उन्होंने ब्यावर से डॉक्टर देवांगी और डेगाना से हर्षवर्धन सिंह एवं कुलदीप से संवाद किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वर्चुअली जुड़े। उन्होंने कहा कि वडनगर से वाराणसी तक की सेवा संकल्प यात्रा यशस्वी प्रधानमंत्री के सेवा का संकल्प को आगे बढ़ा रही है। यह सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों में प्रधानमंत्री के जीवन का एक–एक क्षण सेवा के लिए समर्पित रहा है। सेवा के इस संदेश को जन–जन तक पहुंचाने के लिए ही इस यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सामाजिक सरोकार के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया है। बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, एक पेड़ मां के नाम अभियानों ने समाज और देश को नयी दिशा दी है। राजस्थान भी उनके एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरित होकर श्हरियालो राजस्थानश अभियान चला रहा है, जिसके तहत पांच वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया है। इसमें से अब तक 28 करोड़ पौधे लगाये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत का दुनियाभर में गौरव बढ़ा है। 2014 से पहले हमारा देश आतंकवाद, नक्सलवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण से प्रभावित था। लाखों–करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार होता था और सीमाएं असुरक्षित थीं। जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की कमान संभाली स्थितियां पूरी तरह से बदल गयीं। देश में ढांचागत विकास से लेकर गरीब कल्याण की योजनाओं में बड़ा बदलाव आया है। वर्ष 2014 में हमारे देश की अर्थव्यवस्था ग्यारहवें स्थान पर थी, लेकिन श्री मोदी के कुशल नेतृत्व ने अब देश को विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था बना दिया है। श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्र प्रथम की भावना को लेकर काम किया जा रहा है। देश की दशकों से अटकी 10 अंतर्राज्यीय परियोजनाओं का समाधान हुआ है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर चलती बस में लगी भीषण आग, 9 यात्रियों की मौत

सीएम योगी द्वारा मृतकों को आर्थिक सहायता की घोषणा

ग्रेटर नोएडा,एजेंसी। उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा जेवर थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस–वे पर बुधवार देर रात एक चलती बस में अचानक भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। कश्मीरी गेट, नई दिल्ली से महोबा जा रही एक बस में 33 किलोमीटर माइलस्टोन के पास आग लगी। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में बस के अंदर मौजूद नौ यात्रियों की जलने और दम घुटने से मौत हो गई, जबकि बचाव दल ने 20 से अधिक यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार ने गुरुवार को जानकारी दी और बताया कि,बस में आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस के उच्चाधिकारी स्थानीय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जेवर टोल पर तैनात फायर टेंडर के अलावा अन्य चार फायर टेंडर, रेस्क्यू टेंडर और फायर सर्विस यूनिट को भी तत्काल घटनास्थल पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। आग बुझाने के बाद पुलिस और फायर सर्विस की टीम ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। बस के अंदर धुआं भरा होने के बावजूद जवानों और दमकलकर्मियों ने अथक प्रयास करते हुए यात्रियों को बाहर निकाला। रेस्क्यू के दौरान बस के अंदर नौ लोग मृत अवस्था में मिले। प्रथम दृष्टया उनकी मौत जलने अथवा दम घुटने के कारण होने की बात सामने आई है। प्रारंभिक जांच में बस में आग लगने का कारण एसी में स्पार्क/ब्लास्ट होना बताया जा रहा है। इसके बाद बस के इंजन के लुब्रिकेंट ऑयल में आग लगने और तेजी से फैलने की आशंका जताई गई है। हालांकि घटना के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। हादसे के बाद जेवर थाना पुलिस ने मृतकों की पहचान कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा मृतकों के परिजनों से संपर्क करने और उनकी शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना के संबंध में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस ने बस के चालक और परिचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जमशेदपुर के मरीन ड्राइव पर खड़े ट्रक से टकराई कार, मंत्री की बेटी समेत 4 की मौत

जमशेदपुर,एजेंसी। गुरुवार तड़के सोनारी पुलिस स्टेशन इलाके के मरीन ड्राइव पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार युवाओं की मौत हो गई। मरने वालों में झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह की बेटी त्रिशा सिंह भी शामिल थीं। यह हादसा सुबह करीब 3 बजे हुआ, जब चार युवाओं से भरी एक स्विफ्ट कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी ज़बरदस्त थी कि कार बुरी तरह पिचक गई और उसमें सवार चारों लोग अंदर ही फंस गए। स्थानीय लोगों और पुलिस ने गैस कटर की मदद से कार को काटकर चारों पीड़ितों को बाहर निकाला। यह हादसा सोनारी पुलिस स्टेशन इलाके में डोमुहानी मरीन ड्राइव के पास हुआ। मरने वालों की पहचान त्रिशा सिंह, सार्थक अग्रवाल, नमन गुप्ता और वंशिका खंडेलवाल के तौर पर हुई है। ये चारों 12वीं क्लास के स्टूडेंट थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बुधवार रात करीब 10 बजे खराब होने के बाद एक भारी ट्रक मरीन ड्राइव के बीच में बिना किसी देखरेख के छोड़ दिया गया था। गुरुवार तड़के, तेज़ रफ़्तार एक कार, जो बताया जा रहा है कि बेकाबू हो गई थी, खड़े ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और ट्रक के नीचे फंस गया। गाड़ी को भारी नुकसान पहुंचा और उसमें सवार सभी लोग अंदर ही फंस गए। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुँचे और बचाव अभियान शुरू किया। पीड़ितों के शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त गाड़ी में फँसे हुए थे और उन्हें बचाव उपकरणों की मदद से बाहर निकालना पड़ा। जमशेदपुर के कैच मनोज ठाकुर ने कहा कि एक स्विफ्ट कार के खराब होने के बाद सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकराने से हुए हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। यह हादसा गुरुवार को तड़के करीब 2 से 2:30 बजे के बीच हुआ।

कलकत्ता उच्च न्यायालय का आदेश, मिलन प्रधान को नंदीग्राम उपचुनाव लड़ने दिया जाए

कोलकाता,एजेंसी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को दोहराया कि गिरफ्तार कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को नंदीग्राम उपचुनाव में उचित तरीके से चुनाव लड़ने की अनुमति दी जाए। अदालत ने कहा कि निचली अदालत द्वारा जिस मामले में उन्हें सात अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया है, उसमें उन्हें गिरफ्तार नहीं माना जाएगा। नंदीग्राम में उपचुनाव

छह अक्टूबर को होना है और चुनाव प्रचार चार अक्टूबर को समाप्त होगा। प्रधान के वकील की दलीलों का संज्ञान लेते हुए न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य की ओर से ऐसा कोई दस्तावेज पेश नहीं किया गया, जिससे यह साबित हो कि प्रधान के खिलाफ पेशी वारंट तामील किया गया था। याचिका में कहा गया है कि 22 सितंबर को अदालत के समक्ष बताए गए 11 मामलों के अलावा 2007 के एक आपराधिक मामले में उन्हें गिरफ्तार दिखाया गया और सात अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूर्बा मेदिनीपुर जिला स्थित खेजुरी थाने के 2007 के मामला संख्या 45 में 12 अक्टूबर तक प्रधान के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाए और इस आपराधिक मामले में उन्हें गिरफ्तार नहीं माना जाए।

वोटर लिस्ट और एआईआर विवाद पर घिरे सीईसी ज्ञानेश कुमार

महुआ मोइत्रा ने दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली,एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने गुरुवार को नई दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने चुनाव सूची (इलेक्टोरल रोल) के प्रबंधन से जुड़े मामले में उन पर कथित आपराधिक आचरण का आरोप लगाया। मोइत्रा ने कहा कि मैं आज भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन आई हूं, जिन्होंने आपराधिक आचरण किया है। मोइत्रा ने आरोप लगाया कि ब्ब ज्ञानेश कुमार ने मतदाता सूची बनाए रखने की स्थापित प्रक्रियाओं को नजरअंदाज किया और चुनाव सूची के विशेष गहन संशोधन से जुड़े फैसलों पर सवाल उठाए। उनके ये आरोप चुनाव आयोग की ैप् प्रक्रिया को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच सामने आए हैं। ज्ड्ब सांसद ने मुख्य चुनाव आयुक्त को ष्चोरष बताते हुए एक्स पर लिखा कि ज्ञानेश 'चोर' कुमार एक मनमाना काम करने वाले अधिकारी हैं, जिन्होंने बाकी दो चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना काम किया। असली वोटरों को वोट देने के अधिकार से वंचित करना आधिकारिक कर्तव्यों का हिस्सा नहीं है। उन्हें कोई छूट नहीं मिल सकती। उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। बस इतनी सी बात है। भारत के चुनाव आयोग के साथ चल रहे विवाद के बीच, कॉकरोच जनता पार्टी ने तीन मुख्य मांगें रखी हैं। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, इस राष्ट्रीय दबाव समूह ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मुख्य मांग की। ब्श्रच के फाउंडर अभिजीत दिपके ने चेतावनी दी है कि अगर कुमार 48 घंटे के भीतर इस्तीफ़ा नहीं देते हैं, तो ग्रुप विरोध प्रदर्शन करेगा। इसके साथ ही, ग्रुप ने चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न (SIR) प्रक्रिया को रोकने और आने वाले सभी चुनावों पर रोक लगाने की भी मांग की है। अभिजीत दिपके ने कहा कि कल चुनाव आयोग के बारे में आई एक रिपोर्ट से साबित होता है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार देश के सबसे बड़े गद्दार हैं। वह देश के सबसे बड़े राष्ट्र–विरोधी हैं और उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए... वह भारत के लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं... जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, सरकार यह तय कर रही है कि कौन वोट देगा और कौन नहीं। क्या यही लोकतंत्र है?... कुल मिलाकर, 13 करोड़ से ज़्यादा वोट हटा दिए गए हैं। यह कोई छोटी संख्या नहीं है। 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष और सत्ताधारी पार्टी के बीच का अंतर सिर्फ़ 2प्रतिशत था।

24 सितंबर की हिंसा की पहली बरसी पर लेह और लद्दाख में बंद

जम्मू,एजेंसी। लेह और लद्दाख के कई हिस्सों में 24 सितंबर की हिंसा की पहली बरसी पर बृहस्पतिवार को बंद रखा गया। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के तहत संरक्षण की मांग को लेकर 24 सितंबर, 2025 को हुए प्रदर्शन के दौरान चार लोगों की मौत हो गई थी। लेह और कारगिल में दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे, जबकि सड़कों पर वाहनों की आवाजाही कम रही, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। लद्दाख में कुछ लोग इस दिन को 'शहीद दिवस' के रूप में मना रहे हैं। पिछले साल हुई हिंसा के दौरान जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए लेह और कारगिल में कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने हिंसा के सिलसिले में दर्ज मामलों में आरोपी बनाए गए 20 लोगों के खिलाफ आपराधिक मामले वापस लेने को मंजूरी दे दी। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने 24 सितंबर, 2025 को हुई हिंसा की पहली बरसी के मौके पर लेह में प्रतीकात्मक 'पदयात्रा' निकाली।

एसाआईआर पर विवादः प्रियंका गांधी ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल,

क्यों कहा ज्ञानेश कुमार पर दर्ज हो मुकदमा?

नई दिल्ली,एजेंसी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग और विपक्ष के बीच विवाद लगातार तेज होता जा रहा है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को कहा कि अगर मतदाता सूची में किसी तरह की अवैध कार्रवाई हुई है तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर भी कहा कि अगर उनके सामने कोई

अवैध काम हुआ, उन्हें इसकी जानकारी दी गई और फिर भी उसे नहीं रोका गया तो उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलना चाहिए। इसी मुद्दे पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे, एसआईआर रोकने और मतदाता सूची का नए सिरे से पुनरीक्षण कराने की मांग की है। प्रियंका गांधी ने केरल के कलपेट्टा में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि चुनाव की लोकतांत्रिक प्रक्रिया से छेड़छाड़ करना देश और संविधान के खिलाफ गंभीर अपराध है। उन्होंने मतदाता सूची में कथित छेड़छाड़ और बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर सवाल उठाया। उनका आरोप है कि अगर मुख्य चुनाव आयुक्त को अनियमितताओं की जानकारी थी और दूसरे चुनाव आयुक्तों ने भी उन्हें इस बारे में बताया था, फिर भी कार्रवाई नहीं हुई तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग, कॉजपा ने दी राष्ट्रव्यापी आंदोलन की चेतावनी

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने बृहस्पतिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए उनपर ''मतदाताओं के अधिकारों को कमजोर करने'' का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि अगर वह 48 घंटे के भीतर पद से नहीं हटते हैं तो ''जंतर–मंतर 2.0'' समेत राष्ट्रव्यापी आंदोलन किया जाएगा। कॉजपा के संस्थापक अभिजीत दीपके ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि चुनावी प्रक्रिया में ''धांधली'' की गई है और नागरिकों से मतदान का अधिकार छीना जा रहा है। दीपके ने कहा, ''यदि ज्ञानेश कुमार 48 घंटे के भीतर इस्तीफा नहीं देते हैं, तो हम दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करने से पहले एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे।'' उन्होंने यह भी कहा कि यदि सीईसी इस्तीफा नहीं देते हैं, तो 'जंतर–मंतर 2.0' निश्चित रूप से होगा।''

उन्होंने यह भी कहा कि अगर विपक्षी दलों को लगता है कि चुनावों में धांधली हो रही है तो उन्हें चुनावों में भाग नहीं लेना चाहिए। दीपके ने कहा, ''अगर आपको पता है कि चुनावों में धांधली हो रही है तो आप इसमें भाग नहीं ले सकते हैं। आपको अपना रुख तय करना होगा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार भारतीय लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।

दिल्ली पुलिस ने पीतमपुरा में फर्जी कॉल सेंटर पकड़ा

अमेरिकी नागरिकों से 100 करोड़ ठगने वाले 11 गिरफ्तार

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने पीतमपुरा इलाके में चल रहे एक अवैध अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर अमेरिकी नागरिकों को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के नाम पर लगभग 100 करोड़ रुपये का चूना लगाने के आरोप में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आरोपियों ने संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) तथा अन्य अमेरिकी संघीय एजेंसियों द्वारा जारी किए गए फर्जी पत्र भेजकर पीड़ितों को डराया–धमकाया भी। अधिकारियों ने बताया कि इंटेलीजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) इकाई ने 21 सितंबर को पीतमपुरा गांव में एक किराये के परिसर की तीसरी और चौथी मंजिल पर चल रहे कॉल सेंटर पर छापा मारा और 11 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने परिसर से 41 लाख रुपये नकद, 29 लैपटॉप, 25 मोबाइल फोन, आठ राउटर और एक कार जब्त की। इसके बाद विशेष प्रकोष्ठ थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत 22 सितंबर को मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के नाम पर अमेरिका में पीड़ितों को निशाना बनाता था। इसके सदस्य पीड़ितों के कंप्यूटरों में 'मैलवेयर इंस्टॉल' कर देते थे, जिससे कंप्यूटर की स्क्रीन पर 'पॉप–अप' दिखाई देने लगता था। इसमें तकनीकी सहायता के लिए एक टोल–फ्री नंबर पर संपर्क करने का निर्देश दिया जाता था। अधिकारियों ने बताया कि जब पीड़ित इस नंबर पर फोन करते थे, तो उनकी कॉल एक ऐप के जरिए पीतमपुरा कॉल सेंटर में स्थानांतरित हो जाती थी।

जयंती से पहले निषादराज पार्क के पास से मस्जिद हटाए प्रशासनः मंत्री डॉ. संजय

प्रयागराज। मत्स्य विभाग के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद बुधवार की सुबह शृंग्वेरपुरधाम पहुंचे। उन्होंने धार्मिक स्थलों का दर्शन–पूजन किया और क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण पर अधिकारियों से चर्चा की। इसके बाद उन्होंने निषादराज किले पर मीडिया से बात की। उन्होंने एसडीएम सोरांव भारती मीणा से किले के आसपास की भूमि संरक्षित करने पर जोर दिया। मंत्री डॉ. संजय निषाद ने निषादराज पार्क के पास स्थित मस्जिद का मुद्दा उठाया। उन्होंने एसडीएम से कहा कि मार्च में निषादराज जयंती से पहले मस्जिद को हटाया जाना चाहिए। हालांकि, प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। उन्होंने भगवान श्रीराम एवं निषादराज की 51 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा के दर्शन किए। मार्च में प्रस्तावित निषादराज जयंती को लेकर धाम में तैयारियों पर चर्चा हुई। कैबिनेट मंत्री ने स्थानीय पदाधिकारियों व अधिकारियों से क्षेत्र की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निषाद समाज के लोगों ने धाम के विकास के विषय रखे। उन्होंने ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण पर भी जोर दिया। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के मुद्दे भी उठाए गए। इस मौके पर संजीत निषाद, रामायण मेला आयोजन समिति के महामंत्री उमेश चंद्र द्विवेदी, दिलीप निषाद, रविंद्र मणि निषाद, बाबूराम निषाद, डॉ. अमित निषाद, अमित द्विवेदी और संदीप निषाद आदि मौजूद रहे।

कस्तूरबा गांधी की छात्राओं ने बनाई सबसे सुंदर रंगोली

प्रयागराज। सेवा संकल्प अभियान महोत्सव के अंतर्गत बुधवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र जसरा में मानव रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कस्तूरबा गांधी विद्यालय की बालिकाओं ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। पीएम श्री विद्यालय बीकर की छात्राएं द्वितीय स्थान पर रहीं। गडैया खुर्द के बच्चों को तृतीय स्थान मिला। संचालन एआरपी एसएन मिश्रा ने किया। बच्चों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र दिए गए।

आरोपी पिता को दी बेटे की मौत की जानकारी, जेल भेजा गया

प्रयागराज। कैथी गांव निवासी अभिषेक द्विवेदी (18) की हत्या के आरोपी पिता रघुनंदन को बुधवार को बेटे की मौत की जानकारी दी गई। इससे पहले उसे बताया गया था कि बेटा घायल है और उसका इलाज चल रहा है। थाना प्रभारी रणविजय सिंह ने बताया कि आरोपी नशेड़ी प्रवृत्ति का है। आशंका थी कि बेटे की मौत की जानकारी मिलने पर वह कोई आत्मघाती कदम उठा सकता है, इसलिए उससे यह बात छिपाई गई थी। जानकारी मिलने पर आरोपी ने अफसोस जताया और जानबूझकर घटना को अंजाम न देने की बात कही।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका बेटा अभिषेक अपने दादा के ज्यादा करीब रहता था। दादा ही उसका खर्च उठाते थे। उन्होंने ही अभिषेक से जिम जॉइन कर पुलिस या सेना में भर्ती की तैयारी करने को कहा था। आरोपी शराब पीकर घर आता था और मारपीट करता था। अभिषेक बड़ा होने पर इसका विरोध करने लगा था। आरोपी अपने पिता से लड़ाई–झगड़ा कर पहले भी खेत बिकवा चुका था। अभिषेक के बड़ा होने पर उसने खेत बेचने से मना कर दिया, जिसे लेकर बाप–बेटे में कई बार विवाद हो चुका था। थाना प्रभारी ने बताया कि बुधवार को आरोपी पिता रघुनंदन को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

भैंस चोरी के आरोप में युवक को पेड़ से बांधकर पीटा

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के सेमरी बनका गांव में एक युवक को भैंस चोरी के आरोप में ग्रामीणों ने पेड़ से बांध दिया और उसकी जमकर पिटाई की। इस घटना का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, न्यूज एजेंसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। जानकारी के अनुसार, कौंधियारा के सेहरा गांव निवासी युवक रात के समय गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहा था। ग्रामीणों ने उसे भैंस चोर समझ लिया और पकड़कर पिटाई शुरू कर दी। ग्रामीणों की पिटाई से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सुबह करीब आठ बजे उसे छोड़ दिया गया। इस मामले में एसीपी करछना कुंज लता ने बताया कि वायरल वीडियो उनके संज्ञान में है। मामले की गहनता से जांच कराई जाएगी। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

टवेरा की चपेट में आने से युवक की गई जान

प्रयागराज। प्रतापपुर–उग्रसेनपुर मार्ग पर घोड़दौली गांव के सामने बुधवार दोपहर करीब दो बजे टवेरा की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के घोड़दौली निवासी बृजेश कुमार उर्फ बब्बू (31) सूरत में निजी नौकरी करते थे। परिजनों के अनुसार, बृजेश मंगलवार को ही गुजरात से अपने गांव लौटे थे। बुधवार को वह घरेलू सामान खरीदने के लिए उग्रसेनपुर बाजार जा रहे थे। इसी दौरान उग्रसेनपुर की ओर से आ रही एक टवेरा ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में बृजेश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बृजेश पांच भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। करीब एक वर्ष पहले उनकी शादी मीना से हुई थी। मीना इस समय गर्भवती हैं। पति की अचानक मौत की खबर से परिवार में चीख–पुकार मच गई। गर्भवती पत्नी समेत सभी परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। हादसे में शामिल चालक को भी पुलिस ने पकड़ लिया है।

गलत इंजेक्शन के इंफेक्शन से महिला मरीज का काटना पड़ा हाथ

प्रयागराज। एक बुजुर्ग महिला मरीज को गलत इंजेक्शन लगाए जाने से हुए संक्रमण के कारण कलाई के पास से उसका हाथ काटना पड़ गया। हंडिया के किचकिला गांव निवासिनी जयराजी देवी (65) के पेट में बीते 29 अप्रैल को अचानक दर्द होने लगा। आरोप है कि पीड़िता को पास स्थित एचएल पटेल हॉस्पिटल एवं सुगना हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड कनकपुर, नटवा चौराहा हंडिया ले जाया गया। अस्पताल में डॉ. चंदन कुमार पटेल व कंपाउंडर संजय कुमार मौजूद थे। आरोप है कि डॉक्टर के कहने पर कंपाउंडर द्वारा मरीज को जो इंजेक्शन लगाया गया। उससे पेट दर्द में राहत होने के बजाय हाथ में अत्यधिक दर्द होने लगा। कोई राहत न होने पर दूसरे दिन उसे झूसी के एक निजी अस्पताल ले जाया गया फिर भी मरीज को दर्द से छुटकारा नहीं मिला। 30 अप्रैल 2026 को भदोही जनपद के गोपीगंज बाजार स्थित एक निजी अस्पताल में संक्रमण के चलते कलाई के पास से उसका हाथ काटना पड़ा। पीड़िता द्वारा लापरवाही से इलाज करने और गलत इंजेक्शन लगाने की शिकायत मुख्य चिकित्साधिकारी प्रयागराज से की गई।

कोहरे के आगे रेलवे बेबस, दिसंबर से फरवरी तक कई ट्रेनें रद्द

प्रयागराज। सर्दियों में घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण रेलवे ने दिसंबर से फरवरी तक कई प्रमुख ट्रेनों के संचालन पर रोक लगाने का फैसला किया है। प्रयागराज–मुजफ्फरपुर द्वि–साप्ताहिक एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें पूरी तरह रद्द रहेंगी, जबकि कुछ ट्रेनों के फेरों में कटौती की गई है।

रेलवे द्वारा ट्रेनों में हादसों को रोकने के लिए आधुनिक 'कवच' प्रणाली के लाख दावों के बावजूद, सर्दी के मौसम में छाने वाला घना कोहरा एक बार फिर भारी पड़ता दिख रहा है। दृश्यता शून्य होने और तकनीकी सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उत्तर मध्य रेलवे ने आगामी कोहरे के मौसम के मद्देनजर कई प्रमुख ट्रेनों के पहियों को ब्रेक लगा दिए हैं। प्रयागराज और आसपास के रूटों से गुजरने वाली कई ट्रेनें पूरी तरह से निरस्त रहेंगी, तो कुछ के फेरों में कटौती की गई है।

फिलहाल गाड़ी संख्या 14112 प्रयागराज–मुजफ्फरपुर द्वि–साप्ताहिक एक्सप्रेस दो दिसंबर 2026 से 24 फरवरी 2027 तक पूरी तरह निरस्त रहेगी। इसी तरह वापसी में गाड़ी संख्या 14111 मुजफ्फरपुर–प्रयागराज द्वि–साप्ताहिक ट्रेन भी दो दिसंबर 2026 से 24 फरवरी 2027 तक नहीं चलेगी। वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी–कोलकाता (22198/22197) साप्ताहिक ट्रेन दिसंबर से फरवरी के अंत तक पूरी तरह रद रहेगी।

इन ट्रेनों के फेरों में की गई है कटौती

इसके अलावा, कई ट्रेनों के फेरों में भी कटौती की गई है। गाड़ी संख्या 11123 ग्वालियर–बरौनी तीन दिसंबर 2026 से 25 फरवरी 2027 तक प्रत्येक सोमवार एवं गुरुवार को, गाड़ी संख्या 11124 बरौनी–ग्वालियर चार दिसंबर 2026 से 26 फरवरी 2027 तक प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को निरस्त रहेगी। 11109 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी–लखनऊ तथा 11110 लखनऊ–वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी पांच दिसंबर 2026 से 28 फरवरी 2027 तक शनिवार और रविवार को नहीं चलेगी।

12033 एवं 12034 कानपुर–नई दिल्ली शताब्दी दोनों ओर से एक दिसंबर 2026 से 27 फरवरी 2027 तक प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार को निरस्त रहेंगी। 12180 आगरा फोर्ट–लखनऊ जंक्शन तथा 12179 लखनऊ जंक्शन–आगरा फोर्ट पांच दिसंबर 2026 से 28 फरवरी 2027 तक शनिवार और रविवार को संचालित नहीं होंगी। 11905 आगरा कैंट–होशियारपुर दो दिसंबर 2026 से 26 फरवरी 2027 तक सोमवार, बुधवार व शुक्रवार को और 11906 होशियारपुर–आगरा कैंट तीन दिसंबर 2026 से 27 फरवरी 2027 तक मंगलवार, गुरुवार व शनिवार को निरस्त रहेगी।

मथुरा नहीं जाएगी चंबल एक्सप्रेस

कोहरे के कारण कुछ ट्रेनों का आंशिक निरस्तीकरण भी किया गया है। गाड़ी संख्या 12177 हावड़ा–मथुरा चंबल एक्सप्रेस चार दिसंबर 2026 से 26 फरवरी 2027 तक आगरा कैंट और मथुरा के मध्य आंशिक रूप से निरस्त रहेगी, जबकि गाड़ी संख्या 12178 मथुरा–हावड़ा सात दिसंबर 2026 से 22 फरवरी 2027 तक मथुरा से आगरा कैंट के बीच नहीं चलाई जाएगी। उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ डा. शिवम शर्मा ने इसकी पुष्टि की है।

हाईकोर्ट का आदेश: किन अपराधों में चयन रद्द होगा, किनमें नहीं, सरकार स्पष्ट नियम बनाए

प्रयागराज। आपराधिक मुकदमे की जानकारी छिपाने पर चयन रद्द करने के मामले में हाईकोर्ट ने सरकार से स्पष्ट नीति बनाने को कहा, ताकि अपराध की प्रकृति के आधार पर नियुक्ति प्राधिकारियों को निर्णय लेने में दिक्कत न हो। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि सरकार को ऐसी नीति बनानी चाहिए जिसमें स्पष्ट हो कि किन आपराधिक मामलों में चयनित अभ्यर्थी की नियुक्ति रद्द की जा सकती है, किन मामलों में नहीं। ऐसी नीति बनने से नियुक्ति प्राधिकारियों को भविष्य में निर्णय लेने में स्पष्टता रहेगी। यह आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की एकलपीठ ने अनिल कुमार यादव की याचिका स्वीकार करते हुए दिया। कोर्ट ने याची के कांस्टेबल पद पर चयन को निरस्त करने के वाराणसी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के 14 जनवरी 2007 के आदेश को रद्द कर दिया। याची के खिलाफ मारपीट, अपमान करना, धमकी देना, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने आदि के आरोप में एफआईआर दर्ज थी। आरोप था कि उसने पुलिस भर्ती के आवेदन के दौरान इस आपराधिक मामले की जानकारी छिपाई थी। इस आधार पर याची के चयन को निरस्त कर दिया गया था। याची ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी।

याची की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने दलील दी कि याची के खिलाफ दर्ज अपराध मामूली प्रकृति के थे। केवल इस आधार पर चयन रद्द नहीं किया जा सकता कि अभ्यर्थी ने आवेदन में मामले का उल्लेख नहीं किया। यह भी कहा गया कि नौकरी न मिलने के भय के कारण याची से यह तथ्य आवेदन में अंकित नहीं हो पाया था, लेकिन इससे वह नियुक्ति के लिए अयोग्य नहीं हो जाता।

सुप्रीम कोर्ट के प्रतिपादित सिद्धांतों का उल्लेख

हाईकोर्ट ने मामले में सुप्रीम कोर्ट के अवतार सिंह बनाम यूनियन ऑफ इंडिया तथा कमिश्नर ऑफ पुलिस बनाम संदीप कुमार के फैसलों में प्रतिपादित सिद्धांतों का उल्लेख किया। कोर्ट ने परिस्थितियों और अपराध की प्रकृति को देखते हुए चयन निरस्तीकरण आदेश को उचित नहीं माना और उसे रद्द कर दिया। इसके साथ ही कोर्ट ने प्रदेश के मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव गृह को आदेश की प्रति उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया है, ताकि भविष्य में मामूली आपराधिक मामलों अथवा उनके आवेदन में उल्लेख न किए जाने मात्र के आधार पर चयन निरस्त करने की कार्रवाई में एकरूपता रहे। कोर्ट ने सरकार से ऐसी नीति तैयार करने को कहा है, जिसमें अपराधों की अलग–अलग श्रेणी निर्धारित हो और स्पष्ट किया जाए कि किन मामलों में चयन निरस्त किया जा सकता है और किन मामलों में नहीं।

गर्भपात की जगह सिजेरियन से प्रसव कराने पर एसआरएन के डॉक्टरों के खिलाफ होगी जांच

प्रयागराज। 13 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता की गर्भावस्था समाप्त करने के हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं होने पर अदालत ने एसआरएन अस्पताल प्रशासन और संबंधित चिकित्सकों के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है। गर्भावस्था समाप्त करने के बजाय सिजेरियन से प्रसव कराने के मामले में कोर्ट ने प्रथमदृष्टया लापरवाही मानते हुए जांच के निर्देश दिए हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 13 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता की गर्भावस्था समाप्त करने के अपने आदेश का पालन नहीं होने पर एसआरएन अस्पताल प्रशासन और संबंधित चिकित्सकों के रवैये पर नाराजगी जताई है। न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने प्रथम दृष्टया आदेश की अवहेलना मानते हुए उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को पूरे मामले की जांच स्वयं करने और दो सप्ताह में रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने 21 सितंबर को नाबालिग की गर्भावस्था समाप्त करने का आदेश दिया था। अदालत ने एसआरएन अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को 22 सितंबर को सुरक्षित चिकित्सकीय प्रक्रिया से गर्भावस्था समाप्त करने और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम गठित करने का निर्देश दिया था। साथ ही राज्य को पीड़िता के इलाज, परिवहन और उपचार के बाद की देखभाल का पूरा खर्च उठाने को कहा था।

23 सितंबर को सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि 22 सितंबर की शाम गर्भावस्था समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई लेकिन वह सफल नहीं हुई। इसके बाद चिकित्सकों ने सिजेरियन के जरिए बच्चे का प्रसव करा दिया। नवजात को बच्चों के अस्पताल में भर्ती कराया गया। कोर्ट ने सवाल किया कि जब आदेश गर्भावस्था समाप्त करने का था तो सिजेरियन से प्रसव कराने का निर्णय किसके आदेश से लिया गया। ऑपरेशन करने वाली चिकित्सक इस संबंध में कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सकीं।

अदालत ने यह भी पाया कि विभागाध्यक्ष डॉ. अमृता चौरसिया को आदेश की जानकारी होने के बावजूद वह रात में शहर से बाहर चली गईं। कोर्ट ने कहा कि संबंधित चिकित्सकों की प्रथम दृष्टया जानबूझकर लापरवाही सामने आती है। पीड़िता की मां की ओर से यह आरोप भी लगाया गया कि अस्पताल प्रशासन ने दवाओं, जांच और अन्य प्रक्रियाओं के लिए उनसे पैसे मांगे। हाईकोर्ट ने प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को संबंधित डॉक्टरों, पीड़िता, उसकी मां और जांच अधिकारी के बयान लेकर जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दो सप्ताह के भीतर पेश करने का निर्देश दिया है।

4 दिन से दूषित पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

प्रयागराज। जारी क्षेत्र के गड़ैया कला, गड़ैया खुर्द, सेमरी, पहाड़ी समेत आसपास के गांवों में चार दिन से दूषित और दुर्गंधयुक्त पानी की आपूर्ति होने की शिकायत है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षतिग्रस्त पाइपलाइन के जरिये नाली का गंदा पानी घरों तक पहुंच रहा है। दूषित पानी के इस्तेमाल से शुभ केसरवानी, उर्वशी केसरवानी, उर्मिला देवी, रूही समेत कई लोगों की तबीयत खराब होने की बात कही गई है।

उरुवा की पीटी टीम बनी जिले में चैंपियन बढ़ाया ब्लाक का गौरव

जिले की पीटी खेल प्रतियोगिता में उरुवा के परिषदीय विद्यालय के छात्रों ने दिखाया दमखम

मेजा, प्रयागराज। परिषदीय विद्यालयों के विद्यार्थियों में खेल प्रतिभा को निखारने एवं शारीरिक दक्षता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले के मदन मोहन मालवीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय जनपदीय बालक्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन गुरुवार को संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में उरुवा ब्लॉक की पीटी टीम ने अपने ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी वरुण मिश्रा के दिशानिर्देशों पर चलते हुए शानदार प्रदर्शन कर जिले पर फिर से अपना परचम लहराते हुए चौंपियन होने का गौरव प्राप्त की। प्रतियोगिता में संविलियन विद्यालय ओनोर,उरुवा के छात्रों ने अनुशासन, टीम भावना और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया तथा पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया। मैदान पर विद्यार्थियों का जोश और उत्साह देखते

ही बन रहा था। खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा वरुण मिश्रा ने बच्चों को फोन पर बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेलों से बच्चों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सहयोग की भावना विकसित होती है। उरुवा के संविलियन विद्यालय ओनोर के छात्रों की मेहनत और ब्लॉक के कुशल एआरपी अजीत मिश्रा व जगदीश मिश्रा की दो दिनों की कड़ी मेहनत व ब्लॉक के शिक्षक नेता विनोद शुक्ला का सहयोग व राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त ब्लॉक के पूर्व शिक्षक,पीटी के द्रोणाचार्य राजनारायण प्रजापति के कुशल मार्गदर्शन में तथा विद्यालय के प्रधानाध्यापक अखिलेश मिश्रा की मेहनत से उरुवा ब्लॉक की टीम ने जिले पर चौंपियन होकर एक बार फिर से इतिहास कायम कर अपना कब्जा बरकरार रखा है। वहीं सैदाबाद ब्लॉक की पीटी टीम जिले पर उपविजेता होने का गौरव प्राप्त की है। जिले पर उरुवा ब्लॉक की पीटी टीम को चौंपियन होने पर जिला एमडीएम प्रभारी राजीव त्रिपाठी, जूनियर शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष विनोद मिश्रा, शिक्षक नेता विनोद शुक्ला, एआरपी रामानंद शुक्ला, अजीत मिश्रा, जगदीश मिश्रा व प्रमोद शुक्ला, पूर्व एआरपी राजेश मिश्रा व प्रीतम दास, मुकेश शुक्ला, प्रवीण प्रजापति, दीपक गुप्ता, राजेश कोलहा, सुरेंद्र शुक्ला, जयंत कुशवाहा, संपूर्णानंद, राघवेंद्र सिंह, बीआरसी लेखाकर कृष्ण कुमार शुक्ला, जगदीप सिंह, कमरुल, प्रतिभा अवस्थी, बृजेश यादव, शनि, हरिशंकर मौर्या, विंपिन कुमार, जितेंद्र सिंह, अखिलेश यादव, सुनील विश्वकर्मा, सुनील सिंह, शिवम द्विवेदी, कृष्णाकांत, उमाशंकर, चित्रपाल सिंह व अशोक यादव आदि लोगों ने सोशल मीडिया के माध्यम से बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं दी है।

त्योहारों पर राह होगी आसान, पोत्तनूर भोपाल और कोटा के लिए स्पेशल

प्रयागराज। आगामी त्योहारों पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने तीन और स्पेशल ट्रेन चलाने का एलान किया है। इन ट्रेनों का संचालन पोत्तनूर से बरौनी, रानी कमलापति (भोपाल) से दानापुर और सोगरिया (कोटा) से दानापुर के बीच होगा। तीनों ट्रेनों का ठहराव प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर रहेगा। शेड्यूल के मुताबिक, पोत्तनूर–बरौनी–पोत्तनूर एक्सप्रेस विशेष ट्रेन (06021/06022) पोत्तनूर से प्रत्येक रविवार चार अक्तूबर से एक नवंबर तक सुबह 6रू15 बजे चलकर प्रयागराज छिवकी मंगलवार रात 1रू30 बजे और दोपहर 1रू30 बजे बरौनी पहुंचेगी। वापसी में हर बुधवार को बरौनी से सात अक्तूबर से चार नवंबर की सुबह 10रू30 बजे चलकर रात 10रू30 बजे प्रयागराज छिवकी और शुक्रवार शाम 6रू30 बजे पोत्तनूर पहुंचेगी। इसी क्रम में, रानी कमलापति–दानापुर–रानी कमलापति द्वि–साप्ताहिक एक्सप्रेस विशेष ट्रेन (01667/01668) प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार 12 अक्तूबर से 16 नवंबर तक रानी कमलापति से दोपहर 2.25 बजे प्रस्थान कर प्रयागराज छिवकी रात 2रू10 बजे पहुंचेगी।

तेल–मसाला महंगा होने से बिगड़ा निकाह का बजट

प्रयागराज। अक्तूबर से शुरू हो रहे मुस्लिम शादियों के सीजन से पहले रसोई का बजट बिगड़ गया है। सरसों तेल से लेकर गरम मसाले तक के दाम पिछले एक महीने में बेतहाशा बढ़ गए हैं। दावतों में सबसे ज्यादा खपत होने से शादी वाले घरों पर महंगाई की दोहरी मार पड़ रही है। मऊआइमा बाजार में थोक कारोबारियों के मुताबिक, अगस्त में जो सरसों तेल 170 रुपये किलो था, वह अब 195–200 रुपये किलो पहुंच गया है। रिफाइंड भी 140 से बढ़कर 160 रुपये हो गया है। सबसे ज्यादा उछाल मसालों में है। जीरा 320 से 380 रुपये किलो हो गया है।

शादी में बिरयानी, कोरमा और सालन में तेल–मसाले की खपत आम दिनों से चार गुना ज्यादा होती है। 1000 लोगों की दावत में ही 45 लीटर तेल और 40 किलो मसाला लग जाता है। ऐसे में प्रति दावत अतिरिक्त खर्च आ रहा है।

थोक कारोबारी मोहम्मद जावेद ने बताया कि नवरात्र और फसल कटाई के कारण माल की आवक कम हुई है, इसलिए दाम बढ़े हैं। शादी सीजन में और बढ़ोतरी की आशंका है।

गर्भपात की जगह सिजेरियन से प्रसव कराने पर एसआरएन के डाक्टरों के खिलाफ होगी जांच

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 13 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता की गर्भावस्था समाप्त करने के अपने आदेश का पालन नहीं होने पर एसआरएन अस्पताल प्रशासन और संबंधित चिकित्सकों के रवैये पर नाराजगी जताई है। न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने प्रथम दृष्टया आदेश की अवहेलना मानते हुए उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को पूरे मामले की जांच स्वयं करने और दो सप्ताह में रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने 21 सितंबर को नाबालिग की गर्भावस्था समाप्त करने का आदेश दिया था। अदालत ने एसआरएन अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को 22 सितंबर को सुरक्षित चिकित्सकीय प्रक्रिया से गर्भावस्था समाप्त करने और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम गठित करने का निर्देश दिया था।

इंदौर इकाई की काव्यगोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

इंदौर। शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई सितंबर माह की काव्य गोष्ठी आशा जाकड़ के संयोजन में काव्य गोष्ठीसफलतापूर्वक संपन्न। कार्यक्रम अध्यक्ष 'उमा.मिश्रा श्प्रीतिश' की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि 'डॉ

साधना शुक्ला' विशिष्ट अतिथि 'अनुराधा गर्ग' काव्य गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना 'प्रभा तिवारी' के द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन 'शोभा रानी तिवारी' ने किया। इस काव्य गोष्ठी में भाग लेने वाले रचनाकार डॉ अंजुल कंसल, प्रेरणा शेंद्रे ,डॉ शशि निगम ,डॉ शशिकला अवस्थी, भावना दामले, मनोरमा जोशी सुषमा शुक्ला ,सुनीता संतोषी, संतोष तोषनीवाल, श्रुति चौधरी, लता सेन ,सीता सेन,गायत्री शर्मा आदि की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन डॉ अंजुल कंसल ने किया।

सांस्कृतिक केन्द्र के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक से बांधी समां

वंदे मातरम् और रंगोली निर्माण के साथ लिया स्वछता का संकल्प

करछना। क्षेत्र के रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज के सभागार में पहुंचे उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के नाट्य कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति से खूब समां बांधी।सेवा संकल्प अभियान के तहत सभी ने राष्ट्र के बहुमुखी विकास में अपने योगदान का संकल्प लेते हुए देश सेवा का संकल्प लिया। इस दौरान मुख्य अतिथि मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मदन मोहन शंखधर ने कहा कि देश हम सबके लिए सर्वोपरि है। स्वच्छ भारत और राष्ट्र सेवा का संकल्प हमें एक सभ्य नागरिक बनाने के साथ–साथ मानवता के उत्तरदायित्व के प्रति प्रेरित करता है। अपने पर्यावरण और परिवेश के साथ–साथ शुद्ध तन मन के लिए स्वच्छता बहुत जरूरी है। कार्यक्रम के पूर्व बच्चों ने समवेत स्वर में वंदे मातरम प्रस्तुत किया। प्रवक्ता जितेंद्र कुमार,मालती शर्मा,सुधा सिंह और आरती शुक्ला की देखरेख में सांस्कृतिक कक्ष में बालिकाओं ने स्वच्छ भारत अभियान और एक देश श्रेष्ठ देश नामक आकर्षक रंगोलिया भी सजाई। प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने केंद्र से आए हुए नाट्य कलाकारों और प्रतिनिधि के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि स्वच्छ भारत और सेवा संकल्प अभियान निश्चित रूप से हम सब के लिए बहुत ही प्रेरक है। केंद्र प्रतिनिधि आकाश अग्रवाल चर्चित और रोहित कुमार शर्मा ने सफल कार्यक्रम के लिए विद्यालय परिवार को बधाई दी।कार्यक्रम का संचालन डॉ .के.के. त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर अति विशिष्ट अतिथि प्रधानाचार्य लालचन्द्र पाठक के अलावा शिक्षक कर्मचारी गण एवं बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत तहसील स्तरीय चित्रकला, भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित

कक्षा 11 की पद्माक्षी ने भाषण प्रतियोगिता में हासिल किया प्रथम स्थान

बलदेव (मथुरा)। राजकीय इंटर कॉलेज दघेटा में 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत तहसील महावन स्तरीय चित्रकला–पोस्टर, भाषण एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में तहसील क्षेत्र के 12 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चित्रकला–पोस्टर प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में कपिल ने प्रथम, काजल भरंगर ने द्वितीय तथा गीता कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में वैष्णवी गोस्वामी प्रथम, हिमानी द्वितीय तथा चिकी सैनी तृतीय रहीं। भाषण

प्रतियोगिता में श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज, महावन की कक्षा 11 की छात्रा पद्माक्षी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। काजल ने द्वितीय तथा गुंजन शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। क्विज प्रतियोगिता में अंकुश शर्मा प्रथम, नीतू कुमारी द्वितीय तथा भारती तृतीय स्थान पर रहीं।

पद्माक्षी के प्रथम स्थान प्राप्त करने पर श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज के प्रबंधक डॉ. सुरेंद्र शर्मा ने छात्रा को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार ने भी छात्रा की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा रहे। राजकीय इंटर कॉलेज दघेटा के प्रधानाचार्य भवानी शंकर जांगिड़ तथा प्रतियोगिता की नोडल प्रभारी श्रीमती रागिनी शर्मा सहित शिक्षक उपस्थित रहे। इस अवसर पर बृजेश अग्निहोत्री, अवधेश कुमार, स्मृति दीक्षित, विनीता वर्मा, डॉ. मोहिनी, प्रेरणा, अजय कुमार सिंह, शिवाजी यादव, विनोद कुमार शुक्ला, विश्वजय सिंह, वीरेंद्र राम मौर्य, भानु प्रकाश एवं दीपचंद सहित शिक्षक एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने चित्रकला, भाषण एवं क्विज के माध्यम से अपनी रचनात्मकता, ज्ञान एवं अभिव्यक्ति कौशल का प्रभावी प्रदर्शन किया। आयोजकों ने सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भारत सर्वोत्तम ट्रस्ट हरियाणा के सौजन्य में और विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति द्वारा विश्वनाथ के आठ साहित्यकार हुए विभिन्न अलंकार से सम्मानित

कार्यक्रम में स्वरचित कविता पाठ की कर स्थानीय कवियों ने वाह वाह लूटी

विश्वनाथ, असम। भारत सर्वोत्तम ट्रस्ट, हरियाणा के तत्वावधान में और विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के सहयोग से सोमवार को विश्वनाथ जिले के आठ साहित्यकार को हिंदी साहित्य के महान विभूति के नामों से सम्मान अलंकृत किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वनाथ चारिआलि पौरसभा के सभागृह में 3 बजे हुई । सारस्वत सम्मान समारोह में कई लेखकों और कवियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित व्यक्तियों के नाम इस प्रकार हैंः विश्वनाथ के वरिष्ठ लेखक, शिक्षक और प्रचारक शंकर प्रसाद साहू को ष्मोहन राकेशष् पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्वनाथ के हरि लुइटेल (उपाध्याय) को ष्बाल मुकुंद गुप्तष् पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्वनाथ के चित्र प्रसाद पौड़ेल को ष्डॉ. रामनिवास गुप्तष् पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्वनाथ की उषा साहू को ष्सुभद्रा कुमारी चौहानष् पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्वनाथ की मनीषा पाल श्मानस्वीश को ष्महादेवी वर्माष् पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्वनाथ की सैयदा आनोवरा खातून को ष्मन्नू भंडारीष् पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संतोष कुमार महतो, विश्वनाथ को ष्भारतेन्दु हरिचंद्रष् पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि सुजीत कुमार शर्मा, विश्वनाथ को ष्मैथिली शरण

गुप्तष् पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ये पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं के लेखन, उपलब्धियों और दूरदृष्टि के माध्यम से हिंदी भाषा को समृद्ध करने, राष्ट्रीय स्तर पर उत्तर पूर्वी भारत की भाषाओं के साहित्य को बढ़ावा देने और उत्तर पूर्व की सांस्कृतिक विरासत, लोक जीवन और भाषाई सुंदरता को जोड़ने के प्रयास में दिए गए हैं। कार्यक्रम कार्यकारी अध्यक्ष सूर्य नारायण पांडे की अध्यक्षता में और सचिव संतोष कुमार महतो के संचालन में आयोजित समारोह में पुरस्कार प्रदान किए गए। समारोह का शुभारंभ कवयित्री सैयदा आनोवारा खारुन के सरस्वती वंदना से हुई और पौरपति डॉ. अमरज्योति बरठाकुर के दीप प्रज्वलन से हुआ। प्रो. डॉ. बिपिन गुप्ता (महासचिव, भारत सर्वोत्तम ट्रस्ट) मुख्य अतिथि थे। इस समारोह में अरुणाचल प्रदेश के राजीव गांधी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक डॉ. राजीव रंजन प्रसाद, अमरज्योति बरठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जिले के कवि सागर सापकोटा, मंटु बराल , लबनु शइकीया, चित्र प्रसाद पौड़ेल,मनीषा पाल, सैयदा आनोवारा खातुन, मौसम कुमारी राय, नेहा कुमारी राय आदि ने अपने स्वरचित कविता से वाह वाह बटोरी।इस कार्यक्रम में बिश्वनाथ प्रेस गिल्ड के उपाध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार गुलाम रसूल अली जलहा, समिति के उपाध्यक्ष बिनोद कुमार गुप्ता, एमआरए हाई स्कूल के प्रधानाचार्य नूर हुसैन, कोषाध्यक्ष छेद कुर्मी और समिति के सदस्य, हिंदी प्रेमी और संस्कृत विद्वान लोकनाथ शास्त्री, राष्ट्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य एमई रामचंद्र ठाकुर, समिति के सदस्य –सदस्या, शिक्षक, गणमान्य व्यक्ति, प्रशंसक और आम जनता उपस्थित थे। पौरसभा के पौरपति डॉ. अमरज्योति बरठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में बिश्वनाथ प्रेस गिल्ड के उपाध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार गुलाम रसूल अली जलहा, समिति के उपाध्यक्ष बिनोद कुमार गुप्ता, एमआरए हाई स्कूल के प्रधानाचार्य नूर हुसैन, कोषाध्यक्ष छेद कुर्मी और समिति के सदस्य, हिंदी प्रेमी और संस्कृत विद्वान लोकनाथ शास्त्री, राष्ट्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य एमई रामचंद्र ठाकुर, समिति के सदस्य –सदस्या, शिक्षक, गणमान्य व्यक्ति, प्रशंसक और आम जनता उपस्थित थे।

हिंदी पखवाड़ा महोत्सव में ज्ञान की कसौटी पर परखे गए विद्यार्थी

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में हर्ष तिवारी प्रथम, मोहित कुमार द्वितीय, अतेंद्र मिश्र एवं खुशी मिश्रा संयुक्त रूप से तृतीय

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा महोत्सव के अंतर्गत 24 सितंबर को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 14 से 29 सितंबर तक चल रहे हिंदी पखवाड़े की इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और विविध विषयों पर अपनी ज्ञान–क्षमता का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में हिंदी भाषा एवं साहित्य के साथ इतिहास, भूगोल, भारतीय संस्कृति, विज्ञान और समसामयिक विषयों से जुड़े प्रश्न शामिल किए गए। प्रतिभागियों ने प्रश्नों के उत्तर देते हुए अपनी विषयगत समझ, स्मरण शक्ति और त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय दिया। प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन से इतर व्यापक ज्ञान के साथ स्वयं को परखने का अवसर प्रदान किया।

प्रतियोगिता के परिणाम में हर्ष तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मोहित कुमार द्वितीय रहे, जबकि अतेंद्र मिश्र एवं खुशी मिश्रा ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को विभाग की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं।

कार्यक्रम में प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग एवं अधिष्ठाता, कला संकाय, डॉ. अलका मिश्रा, डॉ. अजीत सिंह एवं डॉ. बबलू यादव उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में जिज्ञासा, आत्मविश्वास, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और व्यापक दृष्टि विकसित करती हैं। उन्होंने हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी को विभाग की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

प्रतियोगिता के आयोजन में प्रियंका त्रिपाठी एवं कोमल यादव ने नेतृत्व किया। किसलय सिंह ने कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए प्रतियोगिता की प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया।

कार्यक्रम में मोना मिश्रा, सोनल सिंह, रत्ना सिंह, मनीष यादव एवं हर्ष सहित बड़ी संख्या में शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता और उत्साह ने प्रतियोगिता को सार्थक बनाया।

हिंदी विभाग द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा महोत्सव का उद्देश्य हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति विद्यार्थियों में रुचि विकसित करने के साथ उन्हें ज्ञान, सृजनशीलता, भारतीय संस्कृति और अकादमिक चेतना से जोड़ना है। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता इसी व्यापक उद्देश्य की एक महत्वपूर्ण गतिविधि रही, जिसने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ ज्ञान के विविध आयामों से परिचित होने का अवसर दिया। हिंदी विभाग की ओर से सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ।

ईश्वर शरण डिग्री कालेज में एनएसएस स्थापना दिवस का आयोजन

प्रयागराज। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मंच पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर शिवहर्ष सिंह संयोजक राजनीति विज्ञान विभाग ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. अखिलेश पाल असिस्टेंट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान विभाग तथा महाविद्यालय एनएसएस प्रभारी डॉ. अरविंद कुमार मिश्र की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके उपरांत महाविद्यालय एनएसएस प्रभारी डॉ. अरविंद कुमार मिश्र ने उद्घाटन संबोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, सामाजिक

सेवा में स्वयंसेवकों की भूमिका तथा समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. शिवहर्ष सिंह ने अपने उद्बोधन में एन.एस.एस स्वयंसेवकों को समाजसेवा, राष्ट्रनिर्माण एवं जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रेम, सेवा और भक्ति की भावना व्यक्ति को समाज के प्रति संवेदनशील बनाती है तथा इन्हीं मूल्यों के माध्यम से सामाजिक कल्याण को प्रभावी रूप दिया जा सकता है। उन्होंने स्वयंसेवकों से निस्वार्थ सेवा और अनुशासन को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ अखिलेश पाल द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना के उद्देश्यों की चर्चा करते हुए सभी स्वयंसेवकों को सामुदायिक सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास हेतु आवाहन किया और शुभकामनाएं प्रदान की। महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ कृष्णा सिंह, डॉ गायत्री सिंह एवं डॉ आलोक मिश्र ने स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित करते हुए सक्रिय सहभागिता करने हेतु मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन स्वयंसेवक अविश सिंह ने किया। उपरोक्त कार्यक्रम में केतन मोदनवाल, अंकित, अंशिका, सिवानी,अस्मिता, पृथ्वीराज चौहान, आस्था, वेदिका, शिवम, सौरभ, अरसद एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने अपने उद्बोधन से सक्रिय योगदान दिया।कार्यक्रम के अंत में डॉ. रुचि गुप्ता ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, कार्यक्रम अधिकारियों तथा सभी स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया।अंततः सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं स्वयंसेवकों की सहभागिता से यह कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।एनएसएस स्थापना दिवस के आयोजन ने विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व, सामाजिक संवेदनशीलता एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को और सुदृढ़ किया। "मैं नहीं, आप"कृएन.एस.एस की इसी सेवा एवं समर्पण की भावना से राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयंसेवक अमन, महाविद्यालय माय भारत कैंपस एम्बेसडर युवराज एवं अदिति, स्वयंसेविका श्री, स्वयंसेवक कार्तिकेय, निखिल, सौरभ राज इत्यादि की सराहनीय भूमिका रही।

गल्प समाज

इज्जत उनकी कीजिए, जिनके विमल विचार।
बुरे वक्त में साथ आ,लाते हैं भिनसार।
लाते हैं भिनसार, हमेशा हरि–सेवक बन।
दौलत रखकर पास, नहीं रहते हैं बन ठन।
सुन लो कहें प्रदीप, न होना तुम नतमस्तक।
लेकिन करो जरूर, सभी की मन से इज्जत।।

किस्सो में हिस्सा बने, अद्भुत गल्प समाज।
राह दिखाकर नेक वह, गढ़ते नये रिवाज़।
गढ़ते नये रिवाज़, सदा खुशियों के खातिर।
भरकर सबमें ज्ञान, न कहते खुद को साहिल।
उनकी सुनो प्रदीप, रहे जो बस अपनों में।
पढ़ता जिन्हें समाज, हमेशा से किस्सो में।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

जितेंद्र कुमार द्विवेदी की पीएचडी मौखिक परीक्षा 25 सितंबर को, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में होगी आयोजित

प्रयागराज। सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के वनस्पति विज्ञान विभाग के शोधार्थी जितेंद्र कुमार द्विवेदी की पीएचडी मौखिक परीक्षा (टपअं–टवबम) 25 सितंबर 2026, शुक्रवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में आयोजित की जाएगी। जितेंद्र कुमार द्विवेदी ने अपने शोधकार्य में प्रयागराज जिले के चयनित पौधों से पृथक किए गए फंगल एंडोफाइट्स की जैव विविधता एवं जैविक क्षमताओं का अध्ययन किया है। उनके शोध का शीर्षक 'Diversity and Applications of Fungal Endophytes Isolated from Selected Plants of Prayagraj' है। इस शोधकार्य के अंतर्गत विभिन्न पौधों से प्राप्त फंगल एंडोफाइट्स की पहचान, विविधता तथा उनकी संभावित जैविक उपयोगिता का अध्ययन किया गया है। शोध का उद्देश्य फंगल एंडोफाइट्स की विविधता को समझने के साथ–साथ उनके संभावित अनुप्रयोगों की संभावनाओं का अध्ययन करना है। शोधार्थी की मौखिक परीक्षा में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आर. एन. खरवार परीक्षक के रूप में उपस्थित रहेंगे। परीक्षा 25 सितंबर 2026 को प्रातः 11रू30 बजे इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में आयोजित होगी। जितेंद्र कुमार द्विवेदी के शोधकार्य का निर्देशन सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. आलोक कुमार सिंह ने किया है। मौखिक परीक्षा के दौरान डी.पी.सी. (क्मचंतजउमदजंस/ क्वबजवतंस च्तवहतंउउम ब्वउउपजजमम) के सदस्यों सहित विभाग के अन्य शिक्षक एवं प्रोफेसर भी उपस्थित रहेंगे। शोधार्थी द्वारा अपने शोधकार्य का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा, जिसके पश्चात शोध से संबंधित विभिन्न वैज्ञानिक एवं अकादमिक पहलुओं पर चर्चा की जाएगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर नवयुग कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रथम एक दिवसीय शिविर का आयोजन

लखनऊ। आज नवयुग कन्या महाविद्यालय लखनऊ में राष्ट्रीय सेवा योजना– एन. एस. एस. के प्रथम एक दिवसीय शिविर का भव्य आयोजन प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में संपन्न हुआ। शिविर का विधिवत शुभारंभ प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय एवं आमंत्रित विशिष्ट अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं ने सुमधुर स्वर में माँ सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की। इसके उपरांत प्राचार्या महोदया ने अतिथियों को पौधे भेंट कर उनका हरित एवं आत्मीय स्वागत किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की कड़ी में बी. एससी. –प्रथम वर्ष की छात्रा ऊनी गुप्ता ने राष्ट्रीय सेवा

योजना के श्लक्ष्य गीतश पर मनमोहक एवं उत्कृष्ट नृत्य प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया। शिविर के प्रथम सत्र में ज्ञानवर्धक व्याख्यानों का आयोजन हुआ, जिसमें मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विचार साझा किए। डॉ. अंकिता गर्ग (कंसल्टेंट – चाइल्ड एंड एडोलसेंट साइकियाट्रिस्ट) ने "जब तनाव हद से बढ़ जाए: चिंता और अवसाद को पहचानना तथा मानसिक दृढ़ता विकसित करना" विषय पर व्याख्यान देते हुए तनाव, चिंता और अवसाद के लक्षणों को पहचानने तथा मानसिक सुदृढ़ता (रेसिलियंस) विकसित करने के व्यावहारिक तरीके बताए।

डॉ. गीता सिंह (एसोसिएट कंसल्टेंट – रेडिएशन ऑन्कोलॉजी) ने "कैंसर से बचाव और शुरुआती पहचानरू हर वयस्क को क्या जानना चाहिए" विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कैंसर से बचाव, शुरुआती पहचान और नियमित जांच के महत्व से छात्राओं व उपस्थित जनसमूह को अवगत कराया।मंच का सफल संचालन नव्या एवं संस्कृति (बी.एड.) द्वारा किया गया।

भोजन अवकाश के पश्चात शिविर के द्वितीय सत्र में मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की मेडिकल टीम द्वारा एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्राओं के नेत्र परीक्षण, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल, कैल्शियम तथा यूरिक एसिड आदि की निःशुल्क जांच की गई। साथ ही प्रतिभागियों को निःशुल्क श्हेल्दी फैमिली प्रिविलेज कार्डश भी वितरित किए गए। समापन अवसर पर प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में छात्राओं को समाज सेवा, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

सम्पादकीय.......

जवाबदेही तय हो

आये दिन देश के विभिन्न निजी विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और आर्थिक संसाधन जुटाने में पारदर्शिता के अभाव की खबरें सुर्खियां बनती रहती हैं। कुछ विश्वविद्यालयों ने अपनी सुविधा के हिसाब से कायदे–कानून बनाने और शैक्षिक जवाबदेही से बचने के रास्ते भी निकाल लिए हैं। इसी आलोक में देश भर के निजी विश्वविद्यालयों के लिए सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों का स्वागत ही किया जाना चाहिए। दरअसल, कई तरह के आक्षेपों के बाद शीर्ष अदालत ने प्राइवेट यूनिवर्सिटीज के संचालकों से पूछा है कि वे बताएं कि उनके विश्वविद्यालयों में वित्तीय संसाधन कैसे जुटाये जाते हैं? संसाधनों का प्रबंधन किस तरह से किया जाता है? इसके अलावा ये विश्वविद्यालय इस धन का प्रयोग किस तरह से करते हैं? सही मायने में अदालत का यह निर्देश विश्वविद्यालयों के आय और व्यय के सामान्य ऑडिट से कहीं आगे की बात करता है। दूसरे शब्दों में अदालत के निर्देशों में यह जानने का प्रयास किया गया है कि प्रवेश के समय छात्रों को सुविधाओं के जो सब्जबाग दिखाए जाते हैं उसके मुकाबले हकीकत में कितनी सुविधाएं मिलती हैं। कह सकते हैं कि यह एक आवश्यक रियलिटी चेक है। वास्तव में कोर्ट की जिज्ञासा के पीछे ठोस कारण भी हैं। दरअसल, समाज में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि शिक्षा का क्षेत्र धीरे–धीरे एक बिजनेस मॉडल का रूप लेने लगा है। आक्षेप तो यहां तक हैं कि शिक्षा का ये कारोबार रियल एस्टेट मॉडल में बदल गया है। जहां सिर्फ इस बात से ही फर्क पड़ता है कि कितने छात्र दाखिला ले रहे हैं और विभिन्न प्रकार के शुल्क लगाने से इन संस्थानों को कितना मुनाफा हो रहा है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी तार्किक ही है कि प्राइवेट यूनिवर्सिटीज को शिक्षा के व्यापक सार्वजनिक उद्देश्य को पूरा करना चाहिए। वे सिर्फ मुनाफे के लिये ही काम नहीं कर सकते। कोर्ट का कहने का अभिप्राय है कि छात्रों के किसी भी तरह के शोषण को रोकने के लिये मजबूत नियामक संस्था की निगरानी जरूरी है। निस्संदेह, इस तथ्य की अनदेखी नहीं की जा सकती है कि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश में उच्च शिक्षा की मांग तेजी से बढ़ी है। वहीं सरकारी विश्वविद्यालय इस मांग को पूरा करने में असमर्थ हैं। वजह साफ है कि वित्तीय संसाधनों की कमी के चलते सरकारी संस्थान ज्यादा संख्या में छात्रों को मौका देने में विफल नजर आते हैं। जिसके चलते देश में निजी विश्वविद्यालयों को पांव पसारने का मौका मिल रहा है। वहीं एक हकीकत यह भी है कि कड़ी स्पर्धा वाले निजी क्षेत्र ने बीते कुछ वर्षों में आधी–अधूरी सच्चाइयों का सहारा लेकर अपना कारोबार बढ़ाया है। पर्याप्त शैक्षिक ढांचा न होने, योग्य–अनुभवी शिक्षकों की कमी और प्रभावी अकादमिक शोध की अनदेखी के बावजूद विश्वविद्यालय परिसरों में उपलब्ध सुविधाओं को बढ़ा–चढ़ाकर दिखाया जाता है। वहीं दूसरी ओर प्लेसमेंट के बाबत भी आंकड़ों को बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जाता है। दरअसल, यदि फैकल्टी डेवलपमेंट की कमी एक समस्या है, तो उससे अधिक चिंता करने वाली बात यह भी है कि कम स्टाफ पर ज्यादा काम करने का अतिरिक्त बोझ भी है। अंततरू इस सब का खामियाजा छात्रों को ही भुगतना पड़ता है, क्योंकि उनके हितों से ही समझौता किया जाता है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद निजी विश्वविद्यालयों के लिये फीस स्ट्रक्चर, कर्मचारियों के वेतन, अन्य खर्चों व सरकार से मिलने वाले फायदों या भर्ती और शिक्षा के मानकों के बारे बढ़ा–चढ़ाकर जानकारी देना मुश्किल नहीं होगा। कागजी कार्यवाही पूरी करने की उनकी महारत पर कोई संदेह नहीं किया जा सकता है। सही मायने में असली चुनौती सख्त जांच–पड़ताल की होगी। खासकर उस वातावरण में जहां लंबे समय से नियमों और सही तौर–तरीकों की अनदेखी की जाती रही है। हकीकत में निजी विश्वविद्यालयों के लिये जिम्मेदारी और जवाबदेही अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। विश्वास किया जाना चाहिए कि देश में उच्च शिक्षा का नियमन करने वाली संस्थाएं अब अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी से करेंगी। तभी सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के सार्थक परिणाम सामने आ सकते हैं।

विद्यार्थियों की संख्या सवा तीन करोड़ घटी

डॉ. दीपक पाचपोर

टीस के इस सर्वेक्षण में इस तरह की मान्यता से शुरुआत नहीं हुई है लेकिन कुछ आंकड़े यह जरूर बताते हैं कि पढ़ाई का स्तर गिरा है और बच्चों के सीखने के बुनियादी स्तर में गिरावट आई है।

अरविन्द मोहन

हैरान करने वाली बात है कि देश में शिक्षा की स्थिति को लेकर एक नामी और विश्वसनीय संस्था के सर्वेक्षण से निकले निष्कर्षों पर कोई चर्चा ही नहीं हुई है। खबर के रूप में कहीं–कहीं यह बात आई कि टाटा इंस्टिट्यूट आफ सोशल साइंस की रिपोर्ट स्टेट आफ टीचर्स, टीचिंग एंड टीचर एजुकेशन इन इंडिया नामक रिपोर्ट बताती है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद से बच्चों की संख्या में तीन साल में ही सवा तीन करोड़ की कमी आ गई है। 2021–22 में यह संख्या 26.5 करोड़ थी जो 2024–25 में घटकर 23.2 करोड़ रह गई है। शिक्षा अधिकार कानून और विकलांग लोगों के अधिकार कानून को लागू करने के बाद विद्यार्थियों की संख्या में बहुत तेज वृद्धि हुई थी और इन कानूनों के विरोधी कहते थे कि यह भीड़ सिर्फ खिचड़ी खाने वाले बच्चों की है, पढ़ने वालों की नहीं। टीस के इस सर्वेक्षण में इस तरह की मान्यता से शुरुआत नहीं हुई है लेकिन कुछ आंकड़े यह जरूर बताते हैं कि पढ़ाई का स्तर गिरा है और बच्चों के सीखने के बुनियादी स्तर में गिरावट आई है। शिक्षा के स्थिति संबंधी दो एनी सर्वेक्षणों से यह नतीजा आया है कि बच्चों के ज्ञान के स्तर के साथ सीखने के क्षमता में भी कमी आई है। इस रिपोर्ट की खूबी यह है कि इसने इस गिरावट को गरीब और फटेहाल बच्चों के स्कूल पहुंचने की परिघटना के रूप में न बताकर शिक्षकों की कमी और उनके भी ज्ञान में कमी से भी जोड़ा है। यह सर्वेक्षण महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, पंजाब, ओडिशा और मिजोरम में किया गया और यह नतीजा निकाला कि स्कूलों में गणित और विज्ञान के अध्यापकों की भारी कमी है। जो लोग गणित पढ़ा भी रहे हैं उनमें से पचास फीसदी ने ही हाई स्कूल में भी गणित की पढ़ाई की थी। अंग्रेजी और भाषा पढ़ाने वालों का हाल इससे बेहतर है लेकिन वह भी 30 फीसदी की कमी वाला इलाका हैं। सरकारी स्कूलों में भी अध्यापकों की भर्ती में काफी ढील वाला माहौल है और 33 फीसदी कमी की रिपोर्ट इसमें है। मजेदार सूचना यह है कि इस मामले में निजी स्कूलों का रिकार्ड सरकार से बेहतर है। इसके साथ ही यह भी हुआ है कि शहरी प्राइवेट स्कूलों में अध्यापकों को सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के मुकाबले बेहतर वेतन मिलता है लेकिन ग्रामीण इलाकों में शिक्षकों को वेतन कम मिलता है । एक अन्य रिपोर्ट भी इसी प्रवृत्ति को बताती है जो पंजाब के स्कूलों को लेकर किया गया था। वहां की मुख्य शिकायत तो यही रही कि सरकारी स्कूल

दलित स्कूल में बदल गए हैं क्योंकि बाकी लोग अपने बच्चों को निजी और अंग्रेजी मीडियम स्कूल में भेजते हैं। ऐसे स्कूल अब गांव–गांव में खुल गए हैं। यह बदलाव दिल्ली से लेकर बिहार तक में देखा जा सकता है। पंजाब के सरकारी स्कूलों में अच्छे भवन हैं, शिक्षक हैं, पढ़ने के बाकी साधन हैं लेकिन समाज के ऊंचे तबके के बच्चे नदारद हैं। बिहार के देहात तक में पहुंचे प्राइवेट स्कूल, जो असल में बेरोजगार और पढ़े–लिखे लड़के–लड़कियों के बल पर ही चलते हैं। अब हास्टल और ट्रांसपोर्ट का इंतजाम कराके दूर–दूर से बच्चे जुटाने लगे हैं। टीस वाली रिपोर्ट में छात्रों की संख्या की गिरावट को रेखांकित करने के साथ यह भी बताया गया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 लागू होने के बाद से शिक्षकों की संख्या में छह लाख की बढ़ोतरी हो गई है। ऐसे में छात्रों की संख्या गिरना ज्यादा चिंता की बात है। रिपोर्ट में एक दूसरी धनात्मक प्रवृत्ति को भी रेखांकित किया गया है कि अध्यापकों में महिला शिक्षिकाओं का हिस्सा तेजी से बढ़ा है। अब यह 54 फीसदी तक पहुंच गया है जो भारत के लिए गर्व की बात होनी चाहिए पर इसमें एक कमी है। यह वृद्धि शहरी ज्यादा है ग्रामीण कम। शहरी शिक्षकों में महिलाओं का हिस्सा जहां 67 फीसदी है वहीं ग्रामीण इलाकों में उनका अनुपात 47 फीसदी है। यह चिंता की खास बात नहीं है लेकिन रिपोर्ट में एक कक्षा में कई–कई वर्ग के विद्यार्थियों को साथ पढ़ाने का मर्ज बढ़ता गया है। पहले वाले सर्वेक्षण में ऐसा 39 फीसदी कक्षाओं के साथ था तो अब यह बढ़कर लगभग आधा हो गया है। यह अनुपात सरकारी स्कूलों का है। बल्कि कई स्कूल तो अकेले मास्टर के बल पर चल रहे हैं। संसाधनों के प्रबंधन और विद्यार्थियों की कमी के नाम पर उनको बंद करने की परिघटना अलग चिंता का विषय है। बंद होने वाले स्कूलों के मामले में उत्तर प्रदेश चौंपियन है। ऐसा दिल्ली में भी हुआ है जहां लंबे समय तक शासन करने वाले आप के लोग सरकारी स्कूलों पर ज़्यादा ध्यान देने का दावा करते रहे हैं। निजी स्कूलों की मनमानी रोकने के लिए अनहोम ने जरूर काफी प्रयास किया लेकिन उनके शासन में भी सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या घटी। शिक्षा के अंदर के बदलावों के साथ यह भी अच्छा हुआ है कि शिक्षा का मामला चुनावी मुद्दा बन रहा है।

तेल, संप्रभुता, दबाव और भारत: ट्रम्प के रूस पर प्रतिबंध

असद मिर्जा

शिंगटन के रूस–प्रतिबंध कानून पर भारत की चेतावनी महज टैरिफ विवाद नहीं है। यह रणनीतिक स्वायत्तता, ऊर्जा सुरक्षा और बाहरी दबाव के बिना विदेश नीति चलाने के अधिकार की रक्षा है। चीन की सतर्क प्रतिक्रिया एक बड़े मुकाबले की ओर इशारा करती हैरू एशिया के आर्थिक फैसले कौन तय करेगा, जबकि युद्ध, व्यापार और तेल आपस में जुड़ते जा रहे हैं। अमेरिका अपनी रूस नीति को आर्थिक दबाव के व्यापक हथियार में बदल रहा है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने श्लिंडसे ओ. ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंधा अधिनियम 2026य पारित किया है, जो राष्ट्रपति ट्रम्प को रूसी तेल–गैस खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देता है। यह विधेयक 262–159 मतों से पारित हुआ और रूस के ऊर्जा–रक्षा क्षेत्रों के साथ उसके श्छाया बेड़ेश को भी निशाना बनाता है, जिस पर मॉस्को को प्रतिबंधों से बचने में मदद करने का आरोप है। भारत के लिए असली मुद्दा यह नहीं कि दंडात्मक टैरिफ रूसी तेल को महंगा बना देगा, बल्कि यह कि क्या वाशिंगटन नई दिल्ली की ऊर्जा और विदेश नीति की शर्तें तय कर सकता है। भारत के विदेश मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि प्रस्तावित उपाय द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित कर सकते हैं, साथ ही भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। यह भाषा सोच–समझकर चुनी गई है। नई दिल्ली ने, न तो जवाबी कार्रवाई की धमकी दी, न वाशिंगटन से बातचीत नकारी, बल्कि इस विवाद को संप्रभुता के दायरे में रखा। भारत का तर्क है कि वह राष्ट्रीय जरूरतों, बाजार हालात और आपूर्ति की उपलब्धता के आधार पर तेल खरीदता है, न कि यूक्रेन युद्ध में रूस के समर्थन के रूप में। इसका एक पुराना सिद्धांत भी है रू किसी दूसरे देश के प्रतिबंधों को उसके अधिकार–क्षेत्र से बाहर स्वतरू स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस दृढ़ प्रतिक्रिया के पीछे आर्थिक हित हैं। वित्त वर्ष 2026 में रूस भारत के तेल आयात का लगभग 30.3 प्रतिशत आपूर्ति करता रहा, जिसकी कीमत लगभग 40.8 अरब डॉलर थी। जुलाई में रूसी आपूर्ति भारत के आयातित तेल के आधे से अधिक तक पहुंच गई, जो अमीरात, सऊदी अरब, वेनेजुएला, ब्राजील, ओमान और अमेरिका की कुल आपूर्ति से भी अधिक थी। यह निर्भरता केवल व्यावसायिक नहीं है। रूसी तेल ने भारतीय रिफाइनरियों को ऐसे समय में रियायती दरों पर तेल हासिल करने में मदद दी है जब मध्य–पूर्व में संघर्ष, आपूर्ति में व्यवधान और अस्थिरता बनी हुई है। रूसी आपूर्ति की जगह लेना न तुरंत संभव होगा, न बिना कधीमत के। भारत सऊदी अरब, इराक, अमीरात, अमेरिका, ब्राजील या वेनेजुएला से अधिक तेल खरीद सकता है, पर वैकल्पिक खेप महंगी या कम भरोसेमंद हो सकती है। होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी अहम ऊर्जा गलियारा है, जबकि पश्चिम एशिया के संघर्ष ने कीमतों और शिपिंग बीमा की अनिश्चितता बढ़ा दी है। रूसी आयात में जबरन कमी भारत में ईंधन, परिवहन और औद्योगिक उत्पादन की लागत बढ़ा सकती है। इसका असर तेल बाजार से भी आगे जाएगा। भारतीय निर्यातक पहले से अमेरिकी व्यापारिक कध्दमों के सामने कमजोर हैं। 100 प्रतिशत टैरिफ कई भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धी नहीं रहने देगा, जिससे टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग, दवाइयों, रसायनों और छोटे उद्योगों पर दबाव बढ़ेगा। इसका झटका रोजगार और निर्यात आय कमजोर कर सकता है और व्यापार वार्ता और जटिल बना सकता है, यही वजह है कि विश्लेषक इसे भारत के खिलाफ सौदेबाजी का हथियार भी मानते हैं। यहीं ट्रम्प का पहलू महत्वपूर्ण हो जाता है। ट्रम्प टैरिफ को व्यापारिक संरक्षण से ज़्यादा दबाव का साधन मानते हैं। उनका प्रशासन इसे घरेलू स्तर पर रूस के युद्ध को वित्तीय मदद देने वाली सरकारों को दंडित करने के तरीके के रूप में पेश कर सकता है, जबकि भारत के खिलाफ धमकी का इस्तेमाल व्यापार, बाजार पहुंच और ऊर्जा खरीद से जुड़ी रियायतें हासिल करने के लिए कर सकता है। यह कानून वार्ता के मकघ्सद को भी पूरा कर सकता है। भारत–अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है, पर टैरिफ, कृषि पहुंच, औद्योगिक संरक्षण और नियामक मानकों पर मतभेद बने हुए हैं। सख्ध्त टैरिफ की धमकी ऐसा माहौल बनाती है जिसमें नई दिल्ली पर कम अनुकूल शर्तों पर समझौता स्वीकार करने का दबाव बढ़ सकता है। भारतीय विश्लेषकों के अनुसार रूस का मुद्दा भारत को अ समान व्यापार समझौते के लिए मजबूर करने का बहाना बन सकता है। ट्रम्प की गणना घरेलू राजनीति से भी प्रभावित हो सकती है। रूस के खिलाफ सख्ती उन सांसदों को पसंद है जो यूक्रेन युद्ध पर एक कड़ा रुख चाहते हैं, जबकि टैरिफ उन मतदाताओं को भाते हैं जो व्यापारिक दबाव को अमेरिकी उद्योग की रक्षा का जरिया मानते हैं। प्रतिबंधों और टैरिफ को मिलाकर प्रशासन को लचीला हथियार मिल जाता हैरू अधिकतम दंड की धमकी, बिना अनिवार्य अमल के, जबकि बातचीत की गुंजाइश भी बनी रहती है। हालांकि इस नीति में एक विरोधाभास है। यदि अमेरिका वाकई रूस की तेल आय कम करना चाहता है, तो भारत को रूसी तेल छोड़ने पर मजबूर करना वैश्विक आपूर्ति में बाधा डाल सकता है और कीमतें बढ़ा सकता है। भारतीय रिफाइनरियां रूसी तेल की इकलौती खरीदार नहीं हैं, और यह तेल आसानी से दूसरे नेटवर्क से बिक सकता है। वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी मॉस्को की प्रति बैरल आय बढ़ा सकती है, भले ही निर्यात मात्रा घटे। यह धमकी रूस को निर्णायक रूप से कमजोर किए बिना अमेरिकी सहयोगियों और उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचा सकती है। चीन की प्रतिक्रिया इस संकट में एक और परत जोड़ती है। बीजिंग भारत से कहीं बड़ा रूसी ऊर्जा खरीदार है, फिर भी चीनी टिप्पणियां खुले टकराव के बजाय सतर्क रही हैंकृएक सोची–समझी रणनीति के तहत। चीन वाशिंगटन को व्यापक व्यापारिक टकराव का आसान बहाना नहीं देना चाहता, खासकर जब उसकी अर्थव्यवस्था पहले से अमेरिकी टैरिफ और तकनीकी प्रतिबंधों की चपेट में है।

साथ ही, बीजिंग यह स्वीकार करने की संभावना नहीं रखता कि वाशिंगटन तय करे कि एशियाई देश किन ऊर्जा आपूर्तिकर्ताओं का उपयोग कर सकते हैं। चीन की सतर्कता एक रणनीतिक धैर्य का रूप भी ले सकती है। बीजिंग यह देख सकता है कि क्या अमेरिका वाकई अधिकतम टैरिफ लागू करता है, क्या भारत प्रतिरोध या बातचीत करता है, और क्या यूरोपीय देशों को छूट मिलती है। कोई भी दोहरा मापदंड चीन के इस तर्क को मजबूत करेगा कि नियम–आधारित वैश्विक व्यवस्था अमेरिकी हितों के अनुसार चुनिंदा ढंग से लागू की जा रही है।भारत के लिए भू–राजनीतिक नतीजे भी महत्वपूर्ण हैं। यह विवाद भारत–अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की गति कमजोर कर सकता है, जो चीन को लेकर साझा चिंताओं और रक्षा, तकनीक व हिंद–प्रशांत सहयोग के आधार पर बढ़ी है।

गणेश स्तुति

एक दंत वक्रतुंड, बुद्धि, शुद्धि, वर्धन,
श्री गणेश,जय गणेश, आओ दुख भंजन।

श्री गणेश, जय गणेश, मंगल सुख कारी,
श्री गणेश, शुभ गणेश, रिद्धि सिद्धि धारी।
श्री गणेश, भज गणेश, मूषक मनोहरी,
पान, फूल, मोदक भर, लड्डूअन की थारी ।।

घर मेरे पधारो प्रभु, गौरी सुख नंदन,
हाथ जोड़ विनती करें, भक्त सब बंदन।।

ढोल– ताल बाज रहे, आंगन में मेला,
गणपति मुस्काय मधुर खेल रहे खेला।
माथे सिंदूर, गले अड़हुल की माला,
मोदक का भोग करें, शंभू सुत लाला।।

आरती सजाय श्सुमनश भाव करे अर्चन,
श्रद्धा के अर्पण से महके मन चंदन।।

श्री गणेश,जय गणेश, आओ आओ दुख भंजन......

संगीता 'सुमन'

लड़कियों के लिए खतरनाक बनता देश

भारत में लड़कियां कितनी असुरक्षित हैं, इसके रोजाना उदाहरण सामने आते हैं। अभी देश की राजधानी दिल्ली में एक के बाद एक बलात्कार की भयावह घटनाएं घटीं, जिस पर भाजपा सरकार से सवाल किए गए, तो जवाब में भाजपा ने पलट कर पिछली सरकारों के वक्त घटे प्रकरण याद दिला दिए। मतलब भाजपा की नजरों में महिला सम्मान, सशक्तीकरण, सुरक्षा ये सारी बातें दलगत राजनीति के तहत ही आती हैं। चुनावों का वक्त आए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह तक दावे करते हैं कि भाजपा ने महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाया है। उत्तर प्रदेश में अमित शाह ने आधी रात को स्कूटी में गहने पहन कर निकलने वाला बयान दिया था। इसी तरह बिहार में भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर ने एनडीए सरकार की कानून व्यवस्था की प्रशंसा में विधानसभा में बयान दिया था कि पहले हमसे कहा जाता था कि शाम को पांच–छह बजे भी गाड़ी से मत निकलो, लेकिन अब ऐसा नहीं है। हम रात–रात भर घूम सकते हैं। मैं खुद रात तीन बजे दरभंगा से पटना बहुत सुरक्षित आई। लेकिन अब उसी बिहार के जमुई में शाम सात बजे दो नाबालिगों को सरेराह रोक कर लड़की से बलात्कार की कोशिश की गई, लेकिन मैथिली ठाकुर बता नहीं पा रही हैं कि जो सुरक्षा उन्हें मिली वो एक साधारण परिवार की लड़की को क्यों नहीं मिली। मैथिली ठाकुर तो खैर भाजपा की परंपरा के मुताबिक निर्लज्ज बयान दे सकती हैं कि ये मामला उनके क्षेत्र का नहीं है, इसलिए वो कुछ नहीं कह रहीं। लेकिन इसी जमुई क्षेत्र से भाजपा विधायक और बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने इससे भी बढ़कर ये बयान दिया कि अगर किसी को मॉरल पुलिसिंग यानी नैतिकता की स्वघोषित ठेकेदारी करनी है, तो थोड़ा सभ्य तरीके से की जा सकती है। जमुई मामले में भाजपा विधायक का ऐसा बयान अब आश्चर्यचकित भी नहीं करता है, क्योंकि एक नहीं सैकड़ों बार भाजपा नेताओं ने ऐसे ही महिला और संविधान विरोधी बयान दिए हैं। जानकारी के लिए बता दें कि 19 सितंबर को बिहार के जमुई में शाम सात बजे एक नाबालिग लड़का और लड़की स्कूटी पर जा रहे थे, तभी कई लोगों ने उन्हें बीच रास्ते में रोक लिया। इसके बाद उनसे तरह–तरह के सवाल उनके रिश्तों को लेकर किए और इस बीच एक व्यक्ति ने लड़की को उठाकर उसके अंदरूनी अंगों पर जबरन हाथ लगाया, उसे खींचा और इसका बाकायदा वीडियो बनाकर इंटरनेट पर वायरल भी किया। दोनों बच्चे गुंडों के सामने गिड़गिड़ाते रहे, लेकिन उनकी घिनौनी हरकत नहीं रुकी। ज्यादा दुख की बात यह है कि इस वीडियो को बहुत से लोगों ने बाकायदा अश्लील गीतों के साथ और ज्यादा प्रसारित किया। यानी लड़की से प्रत्यक्ष बलात्कार जैसी कोशिश करने वाले तो अपराधी हैं ही, समाज में नकाबपोश ऐसे हजारों–लाखों भरे पड़े हैं, जिन्होंने इस वीडियो के जरिए फिर उस बच्ची की अस्मिता को तार–तार करने की कोशिश की। बिहार में पहले जहानाबाद में भी ऐसा ही मामला घट चुका है। भाजपा शासित मणिपुर में कुकी और मैतेई जनजातीय संघर्ष में जिस तरह दो महिलाओं की नग्न परेड कराई गई, उनके साथ बलात्कार हुआ, उससे आज भी दिल कांप उठता है, अब बिहार में फिर ऐसी ही कोशिश की गई। इस मामले पर जब विपक्ष ने आवाज उठाई, राहुल गांधी जैसे नेताओं ने अपराधियों पर पॉक्सो समेत अन्य कठिन धाराओं में मामला दर्ज करने की मांग की, तब बिहार सरकार हरकत में आई। पुलिस ने तीन लोगों की गिरफ्तारी की बात कही है, उनमें से एक का एनकाउंटर भी हुआ है, उसके पैर में गोली मारी गई है। लेकिन इससे उस बच्ची को इंसाफ नहीं मिल सकता। बिहार जदयू के अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा कि ऐसी छिटपुट घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई कर रही है। बलात्कार की कोशिश को छिटपुट घटना कहना यह दिखाने के लिए काफी है कि सरकार में बैठे लोग केवल खुद को बचाने में लगे हैं, उन्हें असल में आधी आबादी के लिए सुरक्षित माहौल बनाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। अभी इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में हास्य कलाकार पुलकित मणि ने राहुल गांधी के साथ मां को कुर्सी दो वाला अभिनय किया तो सारे देश के भाजपा नेता, मंत्री, पत्रकार राहुल गांधी पर आरोप लगाने लगे कि उन्होंने महिला का अपमान किया। लेकिन भाजपा शासित राज्यों में बलात्कार या बलात्कार की कोशिशों पर सबका मुंह बंद हो जाता है। अगर बयान देते भी हैं तो इस तरह कि अपराधियों का बचाव हो जाए। श्रेयसी सिंह के मॉरल पुलिसिंग वाले बयान का जो जिक्र ऊपर किया गया वह उन्होंने इंडिया टुडे की एंकर से चर्चा के दौरान दिया। अच्छी बात यह है कि एंकर ने पलट कर श्रेयसी सिंह से सवाल किया कि मॉरल पुलिसिंग से आपका क्या मतलब है। तब श्रेयसी सिंह ने जवाब भी दिया कि किसी अन्य के रहने, खाने, पहनने आदि पर अगर किसी को आपत्ति है, तो उसे दर्ज किया जा सकता है, लेकिन उन्होंने साथ में यह भी जोड़ा कि यह बेहतर और सभ्य तरीके से हो सकता है। लेकिन मूल सवाल यही है कि भाजपा विधायक किस तरह किसी के भी निजी जीवन में दखलंदाजी को सही ठहरा सकती हैं। इंडिया टुडे की पत्रकार अपने इसी मूल सवाल पर टिकी रहीं और उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस मॉरल पुलिसिंग को किसी भी सूरत में न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता। काश देश के तमाम पत्रकार इसी स्पष्टवादिता के साथ सत्ता पर बैठे लोगों से सवाल करें तो भाजपा के संवेदनहीन शासन पर अंकुश लग सकेगा। बाकी जहां तक सवाल महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा का है तो उसके लिए समूचे समाज की मानसिकता को सुधारने की जरूरत है। यह काम पितृसत्ता को खत्म करने और मनुवादी सोच को मूल से उखाड़ने से ही संभव है।

एक बार शादी के बेहद करीब पहुंचकर क्यों पीछे हट गई थीं श्रुति हासन? खुद खोल दिए सारे राज

एक्ट्रेस श्रुति हासन अपने बेबाक अंदाज के चलते एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं। इस बार चर्चा की वजह शादी और परिवार को लेकर उनका दिया गया नया बयान है। सोहा अली खान के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान श्रुति ने शादी के नाम पर होने वाले दिखावे, कागजी कार्रवाई और भारी–भरकम खर्चों पर खुलकर बात की।

शादी पर इतना खर्च क्यों?

शादी के बारे में अपनी सोच साझा करते हुए श्रुति हासन ने कहा, “मुझे किसी का साथ बहुत पसंद है। लेकिन मैंने अपनी पूरी जिंदगी किसी एक दायरे में बंधने की कोशिश नहीं की। अजीब बात है कि कुछ बातों में मैं बहुत पुरानी सोच वाली हूं, तो कुछ मामलों में काफी अलग। ऐसा इसलिए है क्योंकि किसी ने मुझ पर ये बातें थोपी नहीं हैं, मैं खुद इस नतीजे पर पहुंची हूं।

शादी के तमाशे पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आगे कहा, “मुझे लगता है कि शादी की कागजी कार्रवाई, अंधाधुंध पैसे उड़ाना, दिखावा करना... मैं सोचती हूं कि हम ये सब किसके लिए कर रहे हैं? मुझे अच्छा लगता है कि मैं और मेरा पार्टनर हर दिन एक–दूसरे का साथ चुनते हैं, किसी कागज के टुकड़े की मजबूरी से नहीं। यही मेरी सबसे बड़ी उलझन है, बाकी मुझे शादी से कोई डर नहीं है। मैं एक बार शादी के बहुत करीब भी पहुंच गई थी, तब भी मुझे कोई खास परेशानी नहीं हुई थी। जो लोग शादी पर करोड़ों बहाते हैं, मैं उन्हें गलत नहीं ठहरा रही, लेकिन ये बात मुझे हमेशा खटकती है। इतना पैसा किसी जरूरतमंद को दे दो!”

बच्चा गोद लेने की इच्छा भी जताई

इसी बातचीत के दौरान श्रुति ने मां बनने और परिवार बढ़ाने पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने बताया कि वे बच्चा गोद लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। श्रुति ने कहा, “मैं बच्चा गोद लेने के लिए बिल्कुल तैयार हूं। मैं दिल से मां बनना चाहती हूं, लेकिन साथ ही मैं खुद बच्चे को जन्म देने का एहसास भी लेना चाहूंगी।” श्रुति हासन की यह दो टूक बातें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

बिग बॉस 20 कंटेस्टेंट उदिति सिंह का खुलासा, करण वाही संग रिश्ते के खिलाफ थे माता–पिता

बिग बॉस 20 की कंटेस्टेंट उदिति सिंह ने शो के अंदर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि टीवी एक्टर करण वाही के साथ उनके रिश्ते से उनके माता–पिता बिल्कुल भी खुश नहीं थे। दोनों के बीच 10 साल की उम्र का बड़ा फासला था, जिसकी वजह से उनके घरवाले इस रिश्ते के सख्त खिलाफ थे।

घरवालों से छिपकर लंदन से मुंबई आती थीं मिलने

उदिति ने बिग बॉस हाउस में साथी कंटेस्टेंट गुल्लू और अमन गांधी से दिल की बात शेयर की। उन्होंने बताया कि वह अपने परिवार को बिना बताए सिर्फ करण से मिलने लंदन से मुंबई आ जाती थीं। लेकिन बाद में करण के सोशल मीडिया पोस्ट से उनके परिवार को इस रिश्ते की भनक लग गई। उदिति ने कहा, मेरी मां को यह रिश्ता पसंद नहीं था क्योंकि हमारी उम्र में 10 साल का फर्क था। इसके अलावा मेरे माता–पिता यह भी नहीं चाहते थे कि मैं किसी एक्टर को डेट करूं।

करण की वजह से मिला रणबीर कपूर से मिलने का मौका

उदिति ने बातचीत में यह भी याद किया कि करण वाही की वजह से ही उन्हें अपने पसंदीदा स्टार रणबीर कपूर से मिलने का मौका मिला था। उन्होंने बताया, मैं अपने एक्स से मिलने मुंबई आती थी, जो अभिषेक, रणबीर और बाकी एक्टर्स के साथ फुटबॉल खेलते थे। मैं खुद रणबीर की बहुत बड़ी फैन थी, इसलिए उनसे मिलने का मौका पाकर काफी खुश थी। लेकिन करण इतने मशहूर थे कि उन्होंने सोशल मीडिया पर स्टोरी डाल दी, जिससे घर पर सब पता चल गया।

इंटरनेट पर शुरू हुई उम्र के फासले पर बहस

उदिति के इस खुलासे के बाद सोशल मीडिया और रेडिट पर लोग तरह–तरह की बातें कर रहे हैं। कई यूजर्स 10 साल की उम्र के फासले पर अपनी राय दे रहे हैं, तो कुछ लोग करण वाही की पुरानी डेटिंग लाइफ को लेकर चर्चा करने में लगे हैं।

नेट वर्थ में गिरावट के बावजूद शाहरुख खान बने भारत के सबसे अमीर एक्टर, अमिताभ और ऋतिक भी सूची में शामिल

बॉलीवुड के किंग कहे जाने वाले सुपरस्टार शाहरुख खान एक बार फिर हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में भारत के सबसे अमीर अभिनेता के रूप में उभरे हैं। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 के अनुसार, शाहरुख खान की अनुमानित संपत्ति 10,000 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस सूची में उनकी फिल्मों की कमाई के अलावा उनके सफल व्यावसायिक उपक्रमों (जैसे रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स) तथा विभिन्न निवेशों को शामिल किया गया है। हालांकि एक्टर इस लिस्ट में सबसे ऊपर बने हुए हैं, लेकिन उनकी अनुमानित संपत्ति में पिछले साल हुरुन द्वारा बताई गई रकम के मुकाबले गिरावट आई है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 में शाहरुख की संपत्ति का मूल्य 12,490 करोड़ रुपये आंका गया था। इस साल की शुरुआत में, हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में उनकी नेट वर्थ 10,800 करोड़ रुपये बताई गई थी।

अमिताभ बच्चन और ऋतिक रोशन भी लिस्ट में शामिल हैं

इस लिस्ट में अमिताभ बच्चन अगले सबसे अमीर एक्टर हैं, जिनकी नेट वर्थ का अनुमान 4,000 करोड़ रुपये है। यह 2025 की हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में बताई गई 1,630 करोड़ रुपये की रकम से काफी ज़्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चन की संपत्ति का कुछ हिस्सा उनके फैमिली ऑफिस के ज़रिए किए गए निवेश से जुड़ा है। उनकी रियल एस्टेट होल्डिंग्स और अलग–अलग कंपनियों में निवेश भी उनकी कुल संपत्ति में योगदान देते हैं।

ऋतिक रोशन भी 2026 की लिस्ट में शामिल एक और एक्टर हैं। उनकी नेट वर्थ का अनुमान 2,500 करोड़ रुपये है, जो पिछले साल के 2,160 करोड़ रुपये से ज़्यादा है। उनका ब्रांड भ्त्र उन व्यवसायों में से एक है जो उनकी संपत्ति में योगदान देते हैं।

शाहरुख खान के बिजनेस

लिस्ट में शाहरुख की जगह सिर्फ़ फिल्मों से हुई कमाई पर आधारित नहीं है। उनकी संपत्ति में उनके बिजनेस का अहम रोल रहा है, खासकर रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स का।

2023 के बाद से कोई थिएट्रिकल रिलीज़ न होने के बावजूद, यह एक्टर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक जाना–माना नाम बने हुए हैं। उस साल उन्होंने पठान, जवान और डंकी जैसी फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई थी, और ये सभी फिल्में सिनेमाघरों में सफल रही थीं।

शाहरुख खान की अगली फिल्म किंग

शाहरुख अब सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनने वाली फिल्म श्किंगश में बड़े पर्दे पर नज़र आने की तैयारी कर रहे हैं। इस फ़िल्म में उनकी बेटी सुहाना ख़ान भी हैं। आने वाली फ़िल्म किंग 24 दिसंबर को रिलीज़ होने वाली है। यह 2023 में शाहरुख की तीन फ़िल्मों के बाद सिनेमाघरों में उनकी वापसी होगी।

लव एंड वॉर से रणबीर कपूर का ख़ौफनाक फर्स्ट लुक आउट! ख़ून से लथपथ दिखे एक्टर, पोस्टर ने बढ़ाई उत्सुकता

बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित मेगा–बजट फिल्म लव एंड वॉर (Love & War) से आखिरकार पहला आधिकारिक पोस्टर जारी कर दिया गया है। फिल्म के इस फर्स्ट लुक पोस्टर के केंद्र में सुपरस्टार रणबीर कपूर नजर आ रहे हैं, जिनका एक ऐसा अवतार सामने आया है जो उनके प्रशंसकों ने पहले कभी नहीं देखा। जारी किए गए पोस्टर में रणबीर कपूर बुरी तरह घायल और खून से लथपथ हालत में बेहद आक्रामक और गंभीर भाव के साथ दिखाई दे रहे हैं। यह फर्स्ट लुक सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया है और भंसाली के इस ड्रीम प्रोजेक्ट को लेकर दर्शकों की उत्सुकता कई गुना बढ़ गई है। पोस्टर से कहानी के बारे में ज़्यादा कुछ पता नहीं चलता, लेकिन रणबीर का लुक उनके एक अलग अंदाज़ की ओर इशारा करता है। विजुअल में भंसाली की पीरियड–ड्रामा वाली बारीक शैली दिखती है, जबकि साथ में बज रहा बैकग्राउंड म्यूज़िक इस खुलासे के माहौल को और मज़बूत बनाता है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, “यो रुतबा, वो रौब, वो जुनून!” पोस्ट में फ़िल्म की रिलीज़ डेट, 21 जनवरी 2027, को भी दोहराया गया। रणबीर, आलिया और विक्की फ़िल्म में मुख्य भूमिकाओं में हैं। 'लव एंड वॉर' में रणबीर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल एक साथ नज़र आएंगे। ये तीनों एक्टर फ़िल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जिसका निर्देशन भंसाली कर रहे हैं। यह प्रोजेक्ट सांवरिया के बाद रणबीर और भंसाली के बीच एक और सहयोग है। वहीं, आलिया 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के बाद इस फ़िल्ममेकर के साथ फिर से काम कर रही हैं। 'लव एंड वॉर' के किरदारों और कहानी के बारे में ज़्यादातर जानकारी अभी गुप्त रखी गई है। भंसाली शानदार विज़ुअल्स को म्यूज़िक के साथ मिलाने के लिए जाने जाते हैं, और पहला लुक भी इसी अंदाज़ को आगे बढ़ाता है। पोस्टर के साथ बज रहा म्यूज़िक भी इस खुलासे का हिस्सा है।

लव एंड वॉर की रिलीज़ डेट

लव एंड वॉर दुनिया भर में 21 जनवरी 2027 को रिलीज़ होने वाली है। यह फ़िल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज़ होगी।

सेंसर बोर्ड की कैंची से बची सिद्धार्थ-तमन्ना की द वन , 25 सितंबर को होगी रिलीज

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया की आने वाली थ्रिलर फिल्म 'द वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' बड़े पर्दे पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस फिल्म में दोनों कलाकार पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिल्म के छठ पूजा स्पेशल गाने को दर्शकों ने काफी पसंद किया है और इसके ट्रेलर ने भी लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। अब सिनेमाघरों में आने से पहले फिल्म को लेकर एक बहुत अच्छी खबर सामने आई है।

सेंसर बोर्ड ने बिना किसी कट के दिया सर्टिफिकेट

सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन यानी सीबीएफसी ने फिल्म को हरी झंडी दे दी है। सबसे खास बात यह है कि बोर्ड ने फिल्म में एक भी सीन या आवाज काटने को नहीं कहा। फिल्म के ऑडियो और वीडियो में बिना किसी बदलाव के इसे पास कर दिया गया है। सेंसर सर्टिफिकेट के अनुसार, श्द वनश् को श्यू/ए 16+श् (न्/ । 16+) रेटिंग दी गई है। आमतौर पर सेंसर बोर्ड फिल्मों में कुछ न कुछ बदलाव जरूर कराता है, लेकिन इस फिल्म के साथ ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ।

कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म?

निर्माताओं ने तय किया है कि श्द वनश् को 25 सितंबर के दिन रिलीज किया जाएगा। इससे पहले इस फिल्म को मई 2026 में रिलीज किया जाना था, जिसे बाद में बदलकर 28 अगस्त 2026 किया गया था। अब आखिरकार यह 25 सितंबर को दर्शकों के सामने होगी।

भूल जाएंगे बाजार का रोल, जब घर पर बनाएंगे यह चटपटा और क्रिस्पी सोया टिक्की रैप!

सुबह के नाश्ते या शाम के स्नैक्स के लिए सोया टिक्की रैप एक पौष्टिक और स्वादिष्ट विकल्प है। प्रोटीन से भरपूर यह रैप भीगे सोया चंक्स और मसालों की कुरकुरी टिक्की को पराठे में रोल करके झटपट बनाया जा सकता है। प्याज, खीरे और चटनी से सजा यह रैप बच्चों के टिफिन के लिए भी बेहतरीन है। अगर आप सुबह के नाश्ते या शाम के हल्के–फुल्के स्नैक्स के लिए कुछ नया और मजेदार तलाश रहे हैं, तो सोया टिक्की रैप आपके लिए एकदम सही विकल्प है। यह खाने में जितना स्वादिष्ट लगता है, सेहत के लिहाज से भी उतना ही फायदेमंद है। प्रोटीन और फाइबर से भरपूर इस डिश को घर पर बहुत ही कम समय में आसानी से तैयार किया जा सकता है।

इस स्वादिष्ट रैप को बनाने के लिए आपको क्या चाहिए?

1 कप भीगे हुए सोया चंक्स
अदरक, लहसुन और हरी मिर्च
बारीक कटा हुआ प्याज
1 छोटा चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर
1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर
आधा छोटा चम्मच जीरा पाउडर
एक चौथाई छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर
आधा छोटा चम्मच गरम मसाला
आधा छोटा चम्मच चाट मसाला
आधा कप बेसन
स्वाद के अनुसार नमक
कटा हुआ हरा धनिया
टिक्की सेकने के लिए तेल
पराठे का गुंथा हुआ आटा
हरी चटनी और सॉस
टॉपिंग के लिए कटा प्याज और खीरा फ़ास्टफूड

सोया टिक्की तैयार करने का तरीका

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में भीगे हुए सोया चंक्स, अदरक, लहसुन, हरी मिर्च और कटा हुआ प्याज डालें। अब इसमें कश्मीरी लाल मिर्च, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, काली मिर्च पाउडर, गरम मसाला, चाट मसाला, बेसन, हरा धनिया और स्वादानुसार नमक मिलाएं। इन सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाकर मिश्रण तैयार कर लें। इसके बाद मिश्रण से गोल–गोल टिक्कियां बना लें। एक पैन में हल्का तेल गर्म करें और टिक्कियों को दोनों तरफ से अच्छी तरह सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेक लें।

ऐसे तैयार करें मजेदार रैप

अब पराठे के आटे से रोटी या पराठा बेलकर तवे पर अच्छी तरह सेक लें। तैयार पराठे पर पहले से सिकी हुई सोया टिक्की रखें। इसके ऊपर कटे हुए प्याज और खीरे के टुकड़े सजाएं और ऊपर से थोड़ा चाट मसाला छिड़कें। आप चाहें तो इसमें हरी चटनी और सॉस अंदर ही मिला सकते हैं या फिर रैप को रोल करके अलग से चटनी और सॉस के साथ गरमा–गरम परोस सकते हैं। शेफ का कहना है, यह हेल्दी और टेस्टी रैप बच्चों के टिफिन से लेकर शाम की भूख तक के लिए एक बेहतरीन और झटपट बनने वाला विकल्प है।

ब्यूटीफुल स्किन के लिए नारियल तेल लगाएं या बादाम तेल ? जानिए किसका असर बेहतर

हर तेल की अपनी खूबियां होती हैं और इसलिए अक्सर इस बात को लेकर दुविधा रहती है कि आखिरकार किस तेल को स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बनाया जाए। भारतीय घरों में नारियल तेल और बादाम तेल स्किन के लिए बेहद ही पॉपुलर है।

स्किन केयर में तेल का इस्तेमाल सदियों से किया जाता रहा है। अमूमन लोग अपने बालों से लेकर त्वचा तक की देखभाल के लिए नेचुरल ऑयल पर भरोसा करते हैं। हर तेल की अपनी खूबियां होती हैं और इसलिए अक्सर इस बात को लेकर दुविधा रहती है कि आखिरकार किस तेल को स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बनाया जाए। भारतीय घरों में नारियल तेल और बादाम तेल स्किन के लिए बेहद ही पॉपुलर है। सच तो यह है कि दोनों तेलों के अपने फायदे हैं। आपको कौन सा तेल चुनना चाहिए, यह आपकी त्वचा की जरूरत पर निर्भर करता है। इसलिए किसी भी तेल को चुनने से पहले आपको इनके बारे में सही तरह से समझ लेना चाहिए। तो चलिए जानते हैं इस बारे में–

नारियल तेल के फायदे

जहां तक नारियल तेल के स्किन बेनिफिट्स की बात है तो इससे स्किन को काफी फायदा मिलता है। मसलन–

– त्वचा को मुलायम बनाने में मदद करता है।

– रूखी त्वचा की नमी बनाए रखने में मदद करता है।

– कोहनी, घुटने और एड़ियों की रूखी त्वचा के लिए उपयोगी है।

– नहाने के बाद शरीर पर लगाने से त्वचा मुलायम महसूस हो सकती है।

– रूखी स्किन की देखभाल के लिए यह एक बेहद ही अच्छा विकल्प साबित हो सकता है।

हालांकि, चेहरे पर नारियल तेल हर किसी को सूट नहीं करता। तैलीय या मुंहासे वाली त्वचा पर यह हैवी फील हो सकता है।

बादाम तेल के फायदे

बादाम तेल काफी हल्का महसूस होता है और इसलिए इसे स्किन केयर रूटीन में शामिल किया जाता है। इससे मिलने फायदे कुछ इस प्रकार हैं–

– इसमें मौजूद विटामिन ई बेहतर स्किन केयर करता है।

– यह त्वचा को नमी देने में मदद करता है।

– यह त्वचा को मुलायम और चिकना बनाए रखता है।

– सामान्य से रूखी त्वचा के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है।

– शरीर की मालिश के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

आपकी त्वचा के लिए कौन सा तेल सही?

अब सवाल यह उठता है कि आपको किस तेल का चयन करना चाहिए? यह आपकी स्किन टाइप पर निर्भर करता है। मसलन–

– अगर स्किन बहुत रूखी है तो नारियल तेल आजमा सकती हैं।

– वहीं सामान्य या हल्की रूखी त्वचा के लिए बादाम तेल अच्छा विकल्प हो सकता है।

– तैलीय त्वचा पर दोनों में से कोई भी तेल लगाने से पहले सावधानी बरतें।

– रूखी एड़ियों और कोहनी पर नारियल या बादाम, दोनों तेल लगाए जा सकते हैं।

चेहरे पर तेल लगाने से पहले रखें ध्यान

अगर आप पहली बार अपने चेहरे पर तेल लगा रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें। मसलन–

– पहले त्वचा के छोटे हिस्से पर लगाकर चेक करें।

– अगर लगाने के बाद खुजली, जलन, लालिमा या दाने दिखाई दें, तो उसका इस्तेमाल बंद कर दें।

– अगर आपको बादाम से एलर्जी है तो बादाम तेल से बचें।

– इसे कभी भी सनस्क्रीन के विकल्प के रूप में इस्तेमाल ना करें।

स्टील के बर्तन में न डालें ये फूड्स, वरना बन जाएगा जहर, स्वाद के साथ सेहत की भी होगी खराब

हमारे घरों में स्टील के बर्तन सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाते हैं। ये टिकाऊ होते हैं, आसानी से साफ हो जाते हैं और लंबे समय तक चलते भी हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ खाने–पीने की चीजें ऐसी भी होती हैं जिन्हें स्टील के बर्तनों में रखना सेहत के लिए बेहद हानिकारक हो सकता है? दरअसल, इन फूड्स में मौजूद तत्व स्टील के साथ रिएक्ट करके हानिकारक यौगिक बना सकते हैं। नतीजा यह होता है कि खाने का स्वाद खराब हो जाता है और सेहत पर बुरा असर पड़ता है। कई बार यह असर इतना खतरनाक हो सकता है कि फूड पॉइजनिंग और गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। आइए जानते हैं, किन 5 चीजों को कभी भी स्टील के बर्तनों में नहीं रखना चाहिए।

नमक और अचार

नमक और अचार को कभी भी स्टील के बर्तनों में स्टोर नहीं करना चाहिए। इसमें मौजूद एसिडिक तत्व और तेल स्टील के साथ जल्दी प्रतिक्रिया कर लेते हैं। लंबे समय तक इन्हें स्टील में रखने से बर्तन की परत घिसने लगती है और उसमें से निकलने वाले छोटे–छोटे कण खाने में मिल जाते हैं। यही वजह है कि अचार अक्सर कांच या सिरेमिक जार में ही स्टोर करने की सलाह दी जाती है। अगर गलती से आपने अचार स्टील में रख दिया, तो वह जल्दी खराब हो जाएगा और उसका स्वाद भी बिगड़ सकता है। नमक भी नमी खींचकर स्टील को खराब कर देता है।

दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स

दूध, दही, पनीर और छाछ जैसी चीजों में लैक्टिक एसिड पाया जाता है। जब यह एसिड स्टील के संपर्क में आता है तो रासायनिक प्रतिक्रिया करता है। इसका असर सीधे दूध के स्वाद और क्वालिटी पर पड़ता है। लंबे समय तक दूध को स्टील में रखने से यह खट्टा हो सकता है और पेट खराब करने तक की नौबत आ सकती है। यही कारण है कि दूध को उबालने के लिए स्टील का बर्तन इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन स्टोर करने के लिए हमेशा कांच, मिट्टी या फूड–ग्रेड प्लास्टिक कंटेनर ही बेहतर होते हैं।

नींबू और टमाटर जैसी खट्टी चीजें

नींबू और टमाटर जैसे खट्टे फूड्स में साइट्रिक एसिड की मात्रा अधिक होती है। अगर इन्हें लंबे समय तक स्टील के बर्तनों में रखा जाए तो यह स्टील के साथ मिलकर जहरीले तत्व बना सकते हैं। नतीजतन, खाना कड़वा और कसैला हो जाता है और शरीर में एसिडिटी बढ़ जाती है। टमाटर की ग्रेवी या नींबू का रस स्टील में रखने पर ना केवल स्वाद बिगड़ता है बल्कि पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे गैस, जलन और अपच भी हो सकती हैं।

जूस और हेल्दी ड्रिंक्स

ताजा निकाला हुआ जूस अगर स्टील में रखा जाए तो उसका पोषण कम हो जाता है। खासतौर पर संतरे, मौसमी, अनार या नींबू जैसे जूस में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। ये स्टील के संपर्क में आकर धीरे–धीरे नष्ट हो जाते हैं। यही कारण है कि ज्यूस को हमेशा कांच की बोतल, सिरेमिक या मिट्टी के बर्तनों में ही स्टोर करना चाहिए। अगर आप हेल्दी ड्रिंक्स जैसे ग्रीन टी या हर्बल जूस स्टील में रखते हैं, तो उनका असर काफी हद तक कम हो जाता है।

हल्दी वाला दूध और हर्बल ड्रिंक्स

हल्दी वाला दूध सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है, लेकिन अगर आप इसे स्टील के गिलास में रखते हैं तो इसके गुण खत्म हो सकते हैं। दरअसल, हल्दी में मौजूद करक्यूमिन स्टील के संपर्क में आकर अपनी क्षमता खो देता है। यही वजह है कि दादी–नानी हमेशा हल्दी वाला दूध पीतल या कांसे के गिलास में पीने की सलाह देती थीं। इसी तरह हर्बल ड्रिंक्स और काढ़ा भी स्टील के बर्तनों में रखने से अपना असर खो सकते हैं।

हर बर्तन हर फूड के लिए सही नहीं होता। स्टील के बर्तन जरूर मजबूत और टिकाऊ होते हैं, लेकिन हर चीज इसमें रखना सुरक्षित नहीं है। अगर आप अपनी सेहत को सुरक्षित रखना चाहते हैं तो नमक, अचार, दूध, दही, नींबू, टमाटर, जूस और हल्दी वाले दूध जैसी चीजों को कभी भी स्टील के बर्तनों में न रखें। इन चीजों को स्टोर करने के लिए हमेशा कांच, सिरेमिक, मिट्टी या फूड–ग्रेड प्लास्टिक कंटेनर का इस्तेमाल करना ही सही है।

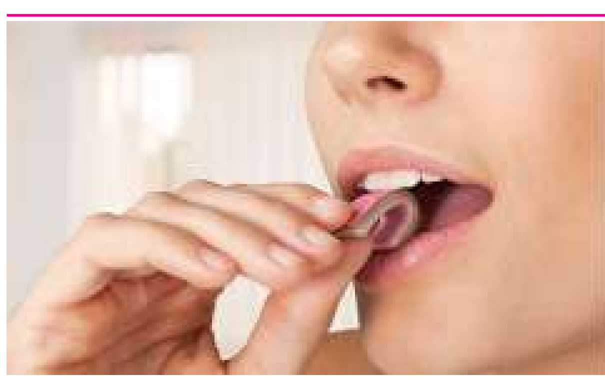

पेरिमेनोपॉज में क्यों बेकाबू होती है क्रेविंग, महिलाएं इस तरह करें इसे कंट्रोल

जैसे–जैसे महिलाएं 40 की उम्र के आगे जाने लगती हैं, वैसे–वैसे उनके शरीर में भी बदलाव शुरू हो जाते हैं। उम्र के इस पड़ाव पर महिलाएं मेनोपॉज की तरफ बढ़ने लगती हैं।˘भ्ट के मुताबिक महिलाओं में 45 से 55 साल की उम्र मेनोपॉज की होती है। वहीं मेनोपॉज से पहले के पड़ाव को पेरिमेनोपॉज कहा जाता है। कई मामलों में पेरिमेनोपॉज 4 से 8 साल तक चलता है। इस दौरान महिलाओं के हार्मोनल बदलाव काफी तेज हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में चिड़चिड़ापन, वजाइना में सूखापन, थकान, हॉट फ्लैशस और सोने में दिक्कत आदि की समस्या होने लगती है। कई महिलाओं को पेरिमेनोपॉज के इस पड़ाव में बहुत ज्यादा क्रेविंग भी होने लगती है। कई बार एक ही चीज बार–बार खाने की इच्छा होने लगती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि महिलाओं में इस तरह के लक्षण क्यों होते हैं और इसको कैसे मैनेज किया जा सकता है।

हार्मोनल असंतुलन

पेरिमेनोपॉज में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हार्मोन का लेवल कम और ज्यादा होता रहता है। अगर एस्ट्रोजन में कमी आने लगती है, तो सेरोटोनिन का लेवल गिर जाता है। इससे मीठा खाने की क्रेविंग और मूड स्विंग्स होता है।

स्ट्रेस

इस दौर में महिलाओं को चिंता, बहुत ज्यादा चिड़चिड़ापन और डिप्रेशन देखने को मिलता है। इससे बचने के लिए महिलाएं मिठाई, चॉकलेट या तली भुनी चीजों को खाना पसंद करती हैं। इन फूड्स से महिलाओं को बहुत आराम मिलता है।

नींद में कमी

पेरिमेनोपॉज में नींद न आना और हॉट फ्लैशेज होना बहुत आम बात है। जब महिलाओं की नींद नहीं पूरी होती है, तो उनमें घ्रलिन हार्मोन बढ़ने लगता है। यह हार्मोन भूख बढ़ाने का काम करता है और उसके उलट लेप्टिन हार्मोन कम होने लगता है। बता दें कि लेप्टिन हार्मोन पेट भरे होने का संकेत देता है और जब यह हार्मोन कम होने लगता है, तो महिलाओं की क्रेविंग बढ़ जाती है।

एनर्जी में कमी होना

इस दौर में महिलाओं का मेटाबॉलिज्म कम होने लगता है। जिस कारण महिलाओं को एनर्जी की कमी महसूस होती है। ऐसे में एनर्जी बढ़ाने के लिए दिमाग कार्बोहाइड्रेट और शुगर खाने की तलब होने लगती है। इस कारण महिलाएं खाने के लेकर क्रेविंग महसूस करने लगती हैं।

मेनोपॉज के शुरुआती संकेत

मूड स्विंग्स
नींद की समस्या
थकान और ध्यान न लगना
पीरियड्स का अनियमित होना
हॉट फ्लैशेज और नाइट स्वेट्स

ऐसे कंट्रोल करें क्रेविंग

हेल्दी डाइट

महिलाओं को अपनी डाइट में फाइबर, प्रोटीन और हेल्दी फैट्स जरूर शामिल करना चाहिए। इसके अलावा फल, सब्जियां, दाल, नट्स, साबुत अनाज और बीज आदि शामिल करें। इससे आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है और क्रेविंग भी कम होती है।

मीठा और जंक फूड

आमतौर पर महिलाएं जंक फूड या मीठा खाना बंद कर देती हैं। इसको वह कुछ समय तक ही लिमिट कर पाती हैं और फिर से यह खाना शुरू कर देती हैं। इसलिए महिलाओं को धीरे–धीरे मीठा और तला–भुना खाना कम कर देना चाहिए। इसकी जगह पर आप हेल्दी स्नैक्स जैसे गुड़, डार्क चॉकलेट, खजूर या भुने चने खा सकती हैं। इस दौरान ध्यान रखें कि आप हेल्दी स्नैक्स भी लिमिट में ही लें।

संक्षिप्त

खाद्य तेल पर आयात शुल्क घटने से खुदरा दाम होंगे कम, आईवीपीएऋ ने जताई उम्मीद

सोयाबीन, पाम और सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क में कटौती के सरकार के फैसले के बाद खाद्य तेल की खुदरा कीमतों में कमी आ सकती है। उद्योग संगठन भारतीय वनस्पति तेल उत्पादक संघ (आईवीपीए) ने यह उम्मीद जताई है। भारत अपनी कुल खाद्य तेल जरूरत का करीब 60 प्रतिशत आयात के जरिये पूरा करता है। सरकार ने बुधवार को कच्चे सूरजमुखी तेल पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) 10 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया। वहीं, रिफाइंड सूरजमुखी तेल पर बीसीडी 32.5 प्रतिशत से घटाकर 22.5 प्रतिशत कर दिया गया। कच्चे सोयाबीन तेल और पाम तेल पर बीसीडी 10 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत तथा रिफाइंड सोयाबीन तेल और पाम तेल पर 32.5 प्रतिशत से घटाकर 27.5 प्रतिशत किया गया है। आईवीपीए के अध्यक्ष सुधाकर देसाई ने कहा कि कुछ खाद्य तेलों के आयात पर सीमा शुल्क घटाने का फैसला ऐसे महत्वपूर्ण समय में आया है, जब त्योहारी मौसम नजदीक है। उन्होंने कहा, ''कम आयात शुल्क से आयातित खाद्य तेल की लागत कम होनी चाहिए, जिससे उपभोक्ता कीमतों में कुछ कमी आ सकती है।'' देसाई ने कहा कि खाद्य तेल उद्योग के लिए तत्काल प्राथमिकता आगामी त्योहारी महीनों के दौरान देशभर में पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना है। देसाई ने कहा, ''संशोधित शुल्क ढांचा मांग में बदलाव के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। सूरजमुखी तेल पर शुल्क में अधिक कटौती की गई है, जिससे यह अधिक किफायती होगा, खासकर दक्षिण भारत के प्रमुख उपभोक्ता क्षेत्र में।'' आईवीपीए अध्यक्ष ने कहा कि भारत अपनी खाद्य तेल जरूरत के एक बड़े हिस्से के लिए अब भी आयात पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि इसलिए घरेलू बाजार अंतरराष्ट्रीय खाद्य तेल कीमतों और वैश्विक आपूर्ति की स्थिति के प्रति संवेदनशील है। देसाई ने कहा, ''सूरजमुखी तेल और सोयाबीन तेल के आयात में अधिक लचीलापन आने से पाम तेल की मांग कम हो सकती है। बी50 जैव ईंधन अनिवार्यता लागू होने और खेती का रकबा बढ़ाने में कमी आने के कारण पाम तेल अपेक्षाकृत महंगा रहने की उम्मीद है।''

डॉलर के मुकाबले रूपया 11 पैसे गिरकर 95.84 के स्तर पर पहुंचा

रुपये बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 11 पैसे टूटकर 95.84 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। भू–राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल से अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल और डॉलर दोनों मजबूत हुए, जिसका असर रुपये पर पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, विदेशी पूंजी का प्रवाह घरेलू मुद्रा को सहारा देने में नाकाम रहा क्योंकि घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव और अमेरिकी मुद्रा में मजबूती बनी हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.84 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में दबाव में रहा। यह पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे टूटकर 95.73 पर बंद हुआ था। इससे एक दिन पहले इसमें 16 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत बढ़कर 100.87 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.97 प्रतिशत नीचे था, लेकिन 102.08 डॉलर प्रति बैरल पर ऊंचे स्तर पर बना हुआ था। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 506.43 अंक गिरकर 74,321.82 अंक पर जबकि निफ्टी 181 अंक टूटकर 23,266.15 अंक पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को शुद्ध रूप से 1,617.45 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

भ्रामक दावों और प्रतिबंधित बिक्री पर एफएसएसएआई सख्त, अमेजन और स्विगी समेत ई–कॉमर्स कंपनियों पर कार्रवाई

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने भ्रामक दावे और प्रतिबंधित उत्पादों की बिक्री समेत विभिन्न नियमों का अनुपालन नहीं करने को लेकर अमेजन, स्विगी इंस्टामार्ट, बिगबास्केट, फ्लिपकार्ट इंडिया और जेप्टो जैसे ई–कॉमर्स मंच के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई शुरू की है। खाद्य नियामक ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच पर लिखा, ''अमेजन, स्विगी इंस्टामार्ट, बिगबास्केट, फ्लिपकार्ट इंडिया, जेप्टो और अन्य ई–कॉमर्स मंच के खिलाफ खाद्य नियमों का अनुपालन नहीं करने को लेकर 'बड़ी कार्रवाई' शुरू की गयी है।'' प्राधिकरण ने कहा कि नियमों के उल्लंघन में गलत ब्रांडिंग या भ्रामक दावे के साथ–साथ प्रतिबंधित या सेहत को नुकसान पहुंचाने वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री और उन्हें प्रदर्शित करना शामिल है। एफएसएसएआई ने कहा कि उसने पांच प्रमुख ई–कॉमर्स मंच–अमेजन, फ्लिपकार्ट इंडिया, स्विगी इंस्टामार्ट, जेप्टो और बिगबास्केट–के खिलाफ खाद्य उत्पाद 'हैप्पिलो प्रीमियम डेट बाइट्स – जेस्टी ऑरेंज' से जुड़े भ्रामक दावों को लेकर दंडात्मक कार्रवाई शुरू की है। स्विगी इंस्टामार्ट और बिगबास्केट के मामले में एफएसएसएआई ने मिल्की मिस्ट के कुछ डेयरी उत्पादों से संबंधित भ्रामक दावों और नियमों के अनुरूप नहीं दी गई उत्पाद जानकारी को लेकर कार्रवाई शुरू की है। इन उत्पादों में 'मिल्की मिस्ट फ्रेश लो फैट क्रीम', 'मिल्की मिस्ट फार्म फ्रेश कर्ड' और 'मिल्की मिस्ट ग्रीक योगर्ट' शामिल हैं। एफएसएसएआई ने कहा कि अमेजन सेलर सर्विसेज, स्विगी इंस्टामार्ट और बिगबास्केट खाद्य उत्पाद 'धतूरा के फल/बीज' की बिक्री, उसे प्रदर्शित करने और ई–कॉमर्स मंचों के जरिये बिक्री के लिए पेश करने से संबंधित खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का पालन नहीं किया। इन ई–कॉमर्स मंच को भेजे गए ईमेल का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। पिछले छह महीनों में एफएसएसएआई ने खाद्य कारोबार से जुड़ी इकाइयों और ई–कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई तेज की है। प्राधिकरण सोशल मीडिया मंच के जरिये आम उपभोक्ताओं को भी इन कार्रवाइयों की जानकारी दे रहा है।

अजीत अगरकर का चीफ सेलेक्टर कार्यकाल नहीं बढ़ेगा, बीसीसीआई ने दिए संकेत

बीसीसीआई के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने संकेत दिया है कि भारतीय पुरुष टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का कार्यकाल 4 अक्टूबर को समाप्त हो जाएगा और इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। रोहित शर्मा के चयन पर हुए मतभेद के बाद अगरकर ने यह फैसला लिया। उनके बाद पार्थिव पटेल इस पद के मुख्य दावेदार माने जा रहे हैं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने लगभग यह कन्फर्म कर दिया कि पुरुषों की टीम के चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर के कॉन्ट्रैक्ट को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा, जो 4 अक्टूबर को खत्म हो रहा है। सैकिया ने कहा कि उस तारीख के बाद यह पद खाली हो जाएगा और बोर्ड के पास उनके रिप्लेसमेंट के बारे में फैसला करने के लिए काफी समय है। अब तक सिर्फ़ मीडिया रिपोर्ट्स में ही यह दावा किया गया है कि अगरकर ने अपना कॉन्ट्रैक्ट आगे न बढ़ाने का फ़ैसला किया है, क्योंकि उन्हें लगा कि बोर्ड के अधिकारी भी इसमें दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। BCCI की हालिया मीटिंग के बाद, सैकिया ने इस खबर की पुष्टि या खंडन करने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि उनकी नौकरी को लेकर कोई फ़ैसला नहीं लिया गया है और साथ ही यह भी कहा कि क्रिकेट की दुनिया में 15 दिन का समय बहुत लंबा होता है। सैकिया ने कहा कि जहां तक अजीत अगरकर की बात है, तो उनका कार्यकाल 4 अक्टूबर को खत्म हो रहा है और हमारे पास 4 तारीख तक का काफ़ी समय है। उन्होंने आगे कहा कि हम 4 अक्टूबर के बाद खाली होने वाले पद के बारे में फ़ैसला लेंगे। BCCI की तरफ़ से कोई भी फ़ैसला लिए जाने के बाद, हम निश्चित रूप से इसे सार्वजनिक करेंगे। अगरकर के पद छोड़ने के पीछे सैकिया एक अहम व्यक्ति थे। खबरों के अनुसार, अगरकर ने वनडे सुपरस्टार रोहित शर्मा को बताया था कि सिलेक्शन कमिटी ने उन्हें टीम से हटाने का फैसला किया है, लेकिन सैकिया ने सार्वजनिक रूप से इस बात का खंडन किया और बल्लेबाज का समर्थन करते हुए उन्हें टीम में बनाए रखने की बात कही। इस बात से अगरकर नाराज हो गए और उन्हें एहसास हुआ कि भविष्य में वे कोई बड़ा फैसला नहीं ले पाएंगे, जिसके चलते उन्होंने अपना कार्यकाल आगे न बढ़ाने का फैसला किया। पूर्व विकेटकीपर–बल्लेबाज पार्थिव पटेल को इस पद के लिए सबसे आगे माना जा रहा है, और कुछ खबरों के मुताबिक, साउथ ज़ोन के सिलेक्टर प्रज्ञान ओझा, जिन्होंने अगरकर के साथ काम किया था, स्थायी नाम तय होने तक अंतरिम तौर पर यह जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

एशियन गेम्स: अफगानिस्तान ने जापान को 48 रन से हराया

अरब गुल मोमंद की शानदार गेंदबाजी, अब किससे होगा सामना?

अफगानिस्तान ने जापान को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में गुरुवार को खेले गए मुकाबले में 48 रन से हरा दिया। जापान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 129 रन बनाए। अफगानिस्तान की तरफ से पारी की शुरुआत करने उतरे मोहम्मद अकरम ने 29 गेंदों पर दो छक्के और दो चौकों की मदद से 34 रन बनाए।

करीम जनत ने 23 गेंदों पर 21 और कप्तान डारविश रसूली ने 27 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 29 रन की पारी खेली। आखिरी ओवरों में विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद इशाक ने 17 गेंदों पर 1 छक्का और 2 चौकों की मदद से 25 रन की पारी खेलकर टीम को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। जापान के लिए शोमा सुगाया–स्लेटर और इब्राहिम ताकाहाशी ने 2–2 विकेट लिए। थॉमस और डेविस को 1–1 विकेट मिला।

130 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी जापान की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने अपना पहला विकेट शून्य के स्कोर पर खो दिया। दूसरे विकेट के लिए रियो सकुरानो–थॉमस और कप्तान फ्लेमिंग ने 31 रन की साझेदारी की। फ्लेमिंग 14 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद थॉमस और बेंजामिन डेविस के बीच तीसरे विकेट के लिए 22 रन की साझेदारी हुई। इस समय तक लग रहा था कि जापान अफगानिस्तान को टक्कर देने की स्थिति में है। लेकिन इसके बाद पूरी टीम बिखर गई। 53 रन पर तीसरा विकेट खोने वाली जापान 19.3 ओवर में 81 रन पर सिमट गई। अफगानिस्तान ने 48 रन से जीत हासिल की।

अफगानिस्तान के लिए अरब गुल मोमंद ने बेहतरीन गेंदबाजी की और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अरब ने 4 ओवर में 2 मेडन फेंकते हुए मात्र 8 रन देकर 4 विकेट लिए।

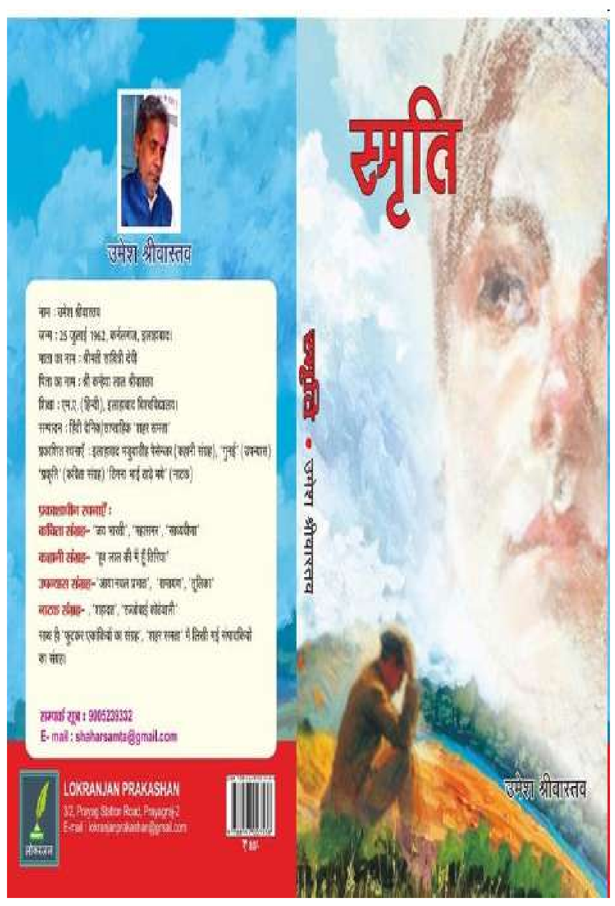

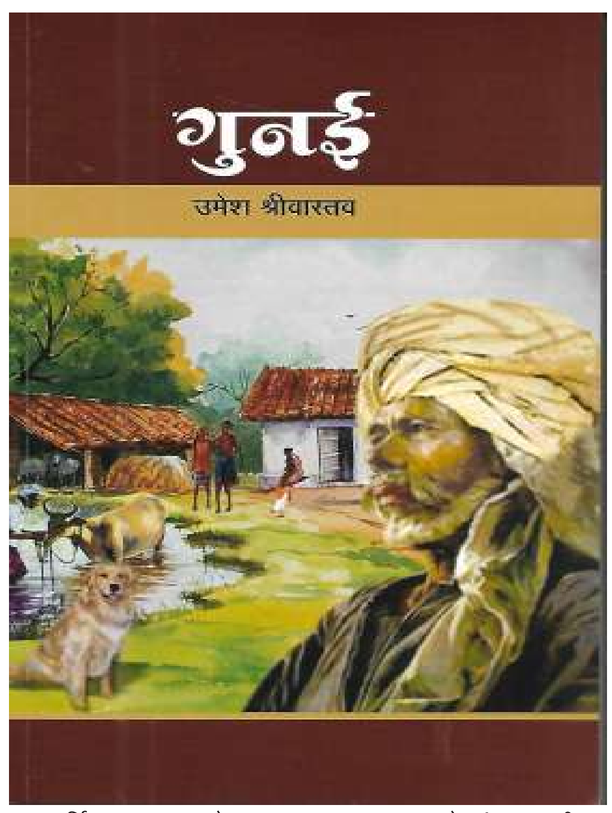

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

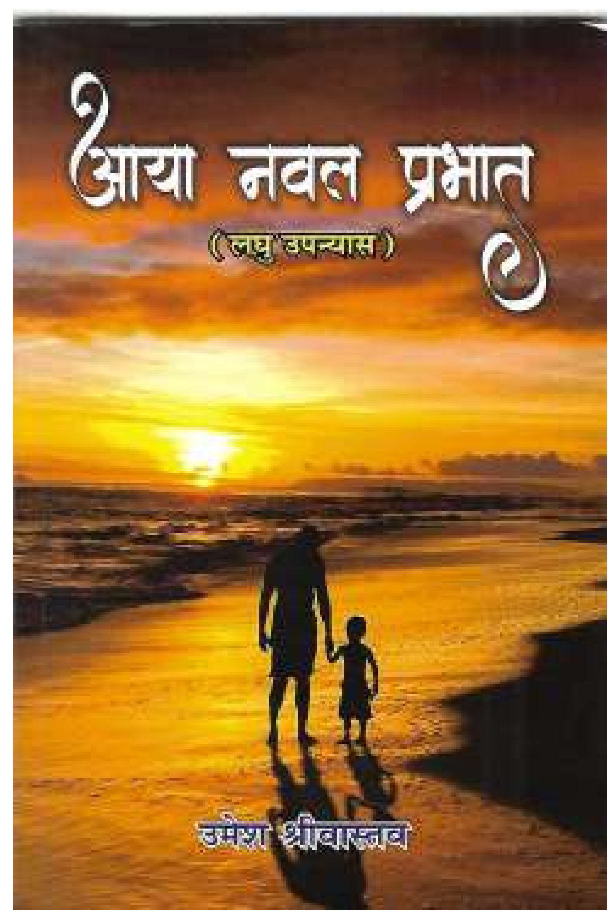

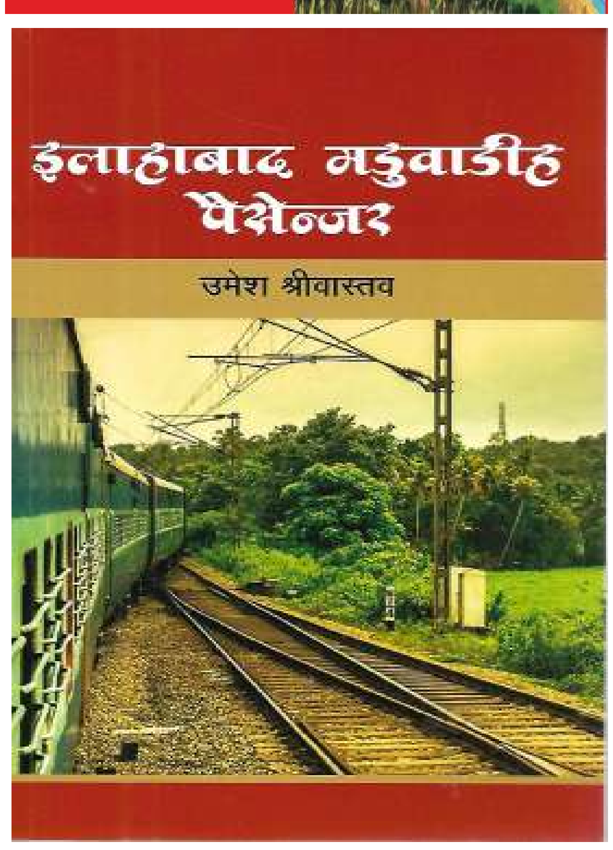

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

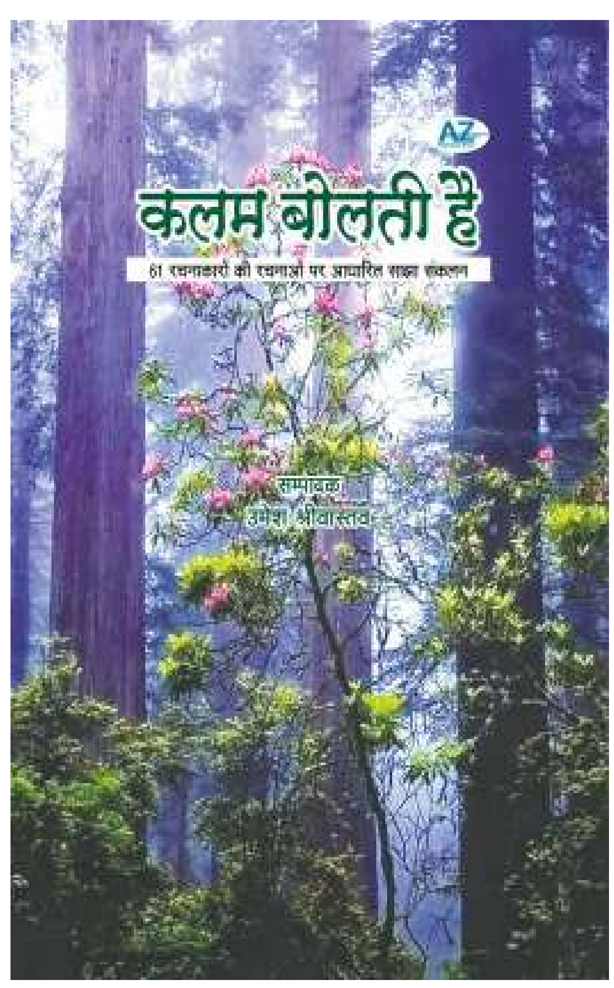

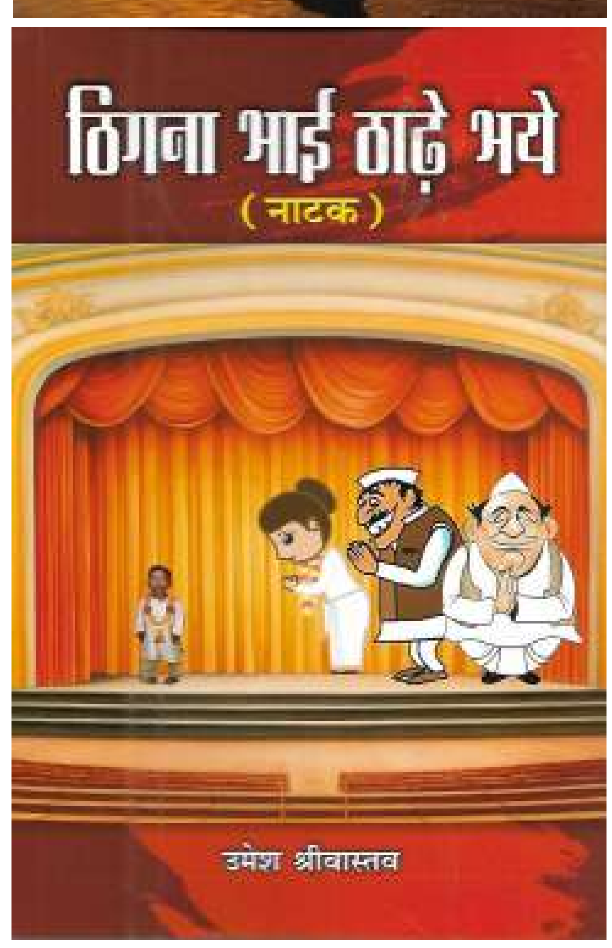

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

यूएस कोर्ट का बड़ा आदेशः डोनाल्ड ट्रंप की मीडिया संस्थानों पर व्हाइट हाउस रोक 14 दिनों के लिए निलंबित

अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस फ़ैसले पर अस्थायी रोक लगा दी, जिसके तहत तीन मीडिया प्रतिष्ठानों–सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको को व्हाइट हाउस परिसर में आने से रोक दिया गया था। न्यायाधीश ने कहा कि संबंधित मीडिया प्रतिष्ठानों

को व्हाइट हाउस आने–जाने की अनुमति फिर से मिलनी चाहिए। यह राष्ट्रपति ट्रंप और उन मीडिया संस्थानों के बीच बढ़ते टकराव का ताज़ा घटनाक्रम है, जिनकी कवरेज उन्हें पसंद नहीं है। ट्रंप ने 18 सितंबर को इन मीडिया प्रतिष्ठानों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा करते हुए आरोप लगाया था कि वे ''फर्जी खबर'' फैला रहे हैं। ट्रंप द्वारा 2017 में मनोनीत किए गए और 2018 में सीएनएन के एक पत्रकार की पहुंच बहाल करने का आदेश देने वाले अमेरिकी जिला न्यायाधीश टिमोथी केली ने बुधवार को दलीलें सुनीं और बिना किसी फैसले के सुनवाई खत्म कर दी। न्यायाधीश ने बृहस्पतिवार को अस्थायी रोक का आदेश जारी किया, जो 14 दिन तक लागू रहेगा। ऐसे आदेश आमतौर पर तब तक यथास्थिति बनाए रखने के लिए दिए जाते हैं, जब तक कि अदालत मामले की बारीकी से समीक्षा न कर ले।

इमरान खान की पार्टी के मार्च से पहले इस्लामाबाद में दो महीने के लिए धारा 144 लागू

पाकिस्तान के अधिकारियों ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के राजधानी में प्रस्तावित मार्च से पहले इस्लामाबाद में दो महीने के लिए सार्वजनिक सभाओं पर रोक लगा दी है। इस्लामाबाद प्रशासन ने बुधवार को जारी आदेश में कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 लागू कर दी गई है, जिसके तहत संघीय राजधानी में पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने, जुलूस, रैलियों और प्रदर्शनों पर रोक रहेगी। यह प्रतिबंध उच्च सुरक्षा वाले रेड जोन सहित पूरे इस्लामाबाद में लागू होगा। इस्लामाबाद की अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट अनम फातिमा ने 18 सितंबर को जारी आदेश में कहा था कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 तत्काल प्रभाव से लागू की गई है और यह दो महीने तक प्रभावी रहेगी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी 27 सितंबर को इस्लामाबाद में मार्च की तैयारी कर रही है। पार्टी की मुख्य मांग 2023 से विभिन्न मामलों में जेल में बंद अपने संस्थापक इमरान खान की रिहाई है। पीटीआई नेताओं ने कहा है कि प्रदर्शन में संविधान की सर्वोच्चता और कानून के शासन की मांग भी उठाई जाएगी। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने सोमवार को कहा था कि पार्टी 25 सितंबर को प्रदर्शन की विस्तृत योजना घोषित करेगी और देशभर से कार्यकर्ताओं को जुटाएगी। इस बीच, पंजाब सरकार ने भी पूरे प्रांत में धारा 144 लागू कर दी है और मार्च के मद्देनजर कानून–व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की मदद के लिए रावलपिंडी, अटक, झेलम और मियांवाली में रेंजर्स की तैनाती मांगी है। अधिकारियों ने 27 सितंबर को रावलपिंडी और अटक के कुछ इलाकों में मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की है। साथ ही प्रदर्शनकारियों को राजधानी में प्रवेश करने से रोकने के लिए सुरक्षा तैयारियां की जा रही हैं। इस्लामाबाद प्रशासन ने कहा कि शांतिपूर्ण सभा और सार्वजनिक व्यवस्था अधिनियम, 2024 के तहत भी सभाओं पर रोक लगाई गई है और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सैम अश्वल्टमैन और डारियो अमोदेई की यूएन से अपील, एआई के विकास पर बने वैश्विक सुरक्षा नियम

प्रमुख कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कंपनियों के प्रमुखों ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र से मानवता को बचाने के लिए अपील करते हुये कहा कि तेजी से विस्तार कर रही इस प्रौद्योगिकी को किसी तरह नियंत्रित किया जाना चाहिए, जिसे उन्होंने ही विकसित किया है। एंथ्रोपिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डारियो अमोदेई ने कहा, ''अगर एआई का प्रबंधन ठीक से नहीं किया गया तो मेरा मानना है कि यह पूरी मानवता के लिए खतरा बन सकता है।'' वहीं, उनकी प्रतिस्पर्धी कंपनी ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा, ''हम एआई के हाथों भविष्य पर अपना नियंत्रण खो सकते हैं।'' दोनों प्रमुखों ने कहा कि बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपनी बात रखने वाले दुनिया के देशों को इस तकनीक को इतना शक्तिशाली होने से रोकने के लिए किसी तरह के सुरक्षा उपाय तय करने होंगे, ताकि इसे नियंत्रित करना मुश्किल न हो जाए। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एआई की शक्ति किसी एक कंपनी या देश तक सीमित न हो। उन्होंने मानवता की बेहतरी के लिए इस तकनीक के लाभों का भी उल्लेख किया और कहा कि एआई ''लोगों को अपने जीवन पर अधिक नियंत्रण और शक्ति देने'' में मदद कर सकता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

पाकिस्तान लड़ाकू विमानों ने अफगानिस्तान में बरसाईं मिसाइलें, 10 ठिकाने तबाह, तालिबान ने दी भीषण तबाही की धमकी!

दक्षिण एशिया में दो पड़ोसी देशों–पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सैन्य टकराव एक नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। पाकिस्तान ने गुरुवार तड़के अफगानिस्तान के भीतर 10 विभिन्न ठिकानों पर सटीक हवाई और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। इस्लामाबाद का कहना है कि यह कार्रवाई अफगानिस्तान की ओर से एक दिन पहले पाकिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में भेजे गए ड्रोन हमलों और गोलाबारी के जवाब में आत्मरक्षा के संप्रभु अधिकार के तहत की गई है। हाल के दिनों में अफगानिस्तान के कुनार और पक्तिका प्रांतों पर हुए पाकिस्तानी हवाई हमलों के बाद इस नए सैन्य अभियान ने दोनों देशों के बीच तनाव को अत्यधिक बढ़ा दिया है, जिससे क्षेत्रीय देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा जारी शांति व मध्यस्थता के प्रयासों पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने एक्स पर इन हमलों की जानकारी दी। इससे पहले अधिकारियों ने बताया था कि अफ़गानिस्तान की तालिबान

सेना ने आठ ड्रोन भेजे थे और पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर गोलाबारी की थी। अधिकारियों के मुताबिक, ये हमले तब हुए जब पाकिस्तानी सैनिकों ने चरमपंथियों की सीमा पार घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। अफ़गानिस्तान के अंदर पाकिस्तान के ताज़ा हमलों पर काबुल की ओर से तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

अफ़गानिस्तान के ड्रोन हमलों के जवाब में पाकिस्तान के हमले

डॉन के अनुसार, तरार ने ग पर एक पोस्ट में कहा कि ये ताज़ा हमले एक दिन पहले अफ़गानिस्तान से भेजे गए ड्रोन के जवाब में किए गए। उन्होंने कहा कि जिन जगहों को निशाना बनाया गया, उनका इस्तेमाल कथित तौर पर ड्रोन भेजने और उन्हें रखने के लिए किया जा रहा था। तरार ने कहा, ष्आत्मरक्षा के अपने संप्रभु अधिकार का इस्तेमाल करते हुए, पाकिस्तान ने अफ़गानिस्तान में उन 10 जगहों पर सटीक हवाई और ड्रोन हमले किए, जिनका इस्तेमाल इन ड्रोन को भेजने और रखने के लिए किया जाता था।ष तरार ने कहा कि ये हमले ष्सोचे–समझे, सटीक, नपे–तुले और उचित थे और पूरी तरह से उन पहचाने गए सैन्य ठिकानों तक सीमित थे, जिनका सीधा संबंध पाकिस्तान के ख़िलाफ़ हमलों की कोशिशों से था। उन्होंने कहा, अफ़गान तालिबान की धमकियां, इनकार या ज़िम्मेदारी से बचने की कोशिशें न तो तथ्यों को बदल सकती हैं और न ही पाकिस्तान के अपने इलाक़े, अपने लोगों और अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने के जन्मजात अधिकार को सीमित कर सकती हैं। मंत्री ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान अफ़गान इलाक़े से किए गए हमलों को न तो स्वीकार करेगा और न ही बर्दाश्त करेगा, चाहे वे आतंकवादी समूहों ने किए हों या अफ़गान तालिबान अधिकारियों ने। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की संप्रभुता के किसी भी उल्लंघन का तुरंत और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान 23 सितंबर को अफ़गान इलाक़े से ड्रोन के ज़रिए पाकिस्तान में जानबूझकर और ग़ैर–क़ानूनी घुसपैठ की कड़ी निंदा करता है। यह घुसपैठ ष्पाकिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का खुला उल्लंघन है और आक्रामकता का एक गंभीर और अस्वीकार्य कृत्य है।ष पाकिस्तान ने अफ़ग़ान तालिबान अधिकारियों से कहा कि वे पाकिस्तान के ख़िलाफ़ सभी दुश्मन वाली गतिविधियाँ तुरंत बंद करें और अफ़ग़ानिस्तान की ज़मीन से काम कर रहे आतंकवादी समूहों के ख़िलाफ़ असरदार, ठोस, वेरिफ़िएबल और लगातार कार्रवाई करके अपनी अंतरराष्ट्रीय ज़िम्मेदारियाँ पूरी करें। बयान के अनुसार, अफ़ग़ानिस्तान की ज़मीन का इस्तेमाल पाकिस्तान पर हमले करने या दुश्मन वाली कार्रवाई करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

अफ़ग़ानिस्तान ने उचित जवाब देने का वादा किया

इससे पहले 21 सितंबर को, अफ़ग़ानिस्तान ने कुनार और पक्तिका प्रांतों में पाकिस्तानी हवाई हमलों का ष्उचित जवाबष देने का वादा किया था। अफ़ग़ान सरकार के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तानी सेना पर आम नागरिकों वाले इलाकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया और हमलों को अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ़ ष्अपराधोंष का दोहराव बताया। एक्स पर एक पोस्ट में, मुजाहिद ने कहा कि कुनार में तीन आम नागरिक मारे गए और चार अन्य घायल हो गए, जबकि पक्तिका में एक हमले में एक घर और एक स्थानीय दुकान को नुकसान पहुँचा। उन्होंने कहा कि पक्तिका की घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा, ष्हम इस आक्रामकता और ज़्यादती की निंदा करते हैं और इसे अपराधों का दोहराव मानते हैं। पाकिस्तान की सेना ने अपनी आंतरिक सुरक्षा की नाकामियों से ध्यान हटाने के लिए एक बार फिर ऐसा अपराध किया है। अफ़ग़ान लोग इस आक्रामकता का उचित जवाब देंगे, ईश्वर ने चाहा तो।ष पाकिस्तान और अफ़ग़ान तालिबान के बीच रिश्ते तब खराब हुए जब इस्लामाबाद ने आरोप लगाया कि काबुल श्तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तानश (ज्ज्च) के आतंकवादियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई करने में नाकाम रहा है; पाकिस्तान का कहना है कि ये आतंकवादी अफ़ग़ानिस्तान की ज़मीन का इस्तेमाल ट्रेनिंग लेने और देश के अंदर हमले करने के लिए करते हैं। ये हवाई हमले खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट में पुरानी पुलिस लाइन्स पर हुए एक बड़े हमले के बाद किए गए, जिसमें 23 लोगों की मौत हो गई और लगभग 100 लोग घायल हो गए। इलाके को सुरक्षित करने के लिए रात भर चले ऑपरेशन के दौरान आठ आतंकवादी मारे गए।

रूस युद्ध में प्दकपं समेत 47 देशों के लोगों का कर रहा इस्तेमाल : यूएनजीए में बोले जेलेंस्की

संयुक्त राष्ट्र। के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि रूस उनके देश के खिलाफ युद्ध में भारत और 40 से अधिक अन्य देशों के नागरिकों का इस्तेमाल कर रहा है तथा उन्होंने इन देशों से अपील की कि वे उन्हें ''इस युद्ध में घसीटने'' से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को रोकें। जेलेंस्की ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र की आम बहस को संबोधित करते हुए कहा, ''और अभी मैं यूरोप से बात नहीं करना चाहता। मैं उन देशों से बात करना चाहता हूं, जिनके लोगों का रूस एक और बेहद क्रूर अभियान में इस्तेमाल करने की कोशिश कर सकता है।'' उन्होंने कहा कि यूक्रेन को युद्धबंदियों के रूप में कई देशों के नागरिक मिलते हैं और ये केवल उत्तर कोरिया के नागरिक नहीं हैं। जेलेंस्की ने कहा, ''हम जानते हैं कि रूस

अपने युद्ध में 47 देशों के नागरिकों का इस्तेमाल कर रहा है। इस युद्ध में घाना, नेपाल, ताजिकिस्तान, भारत, यमन, केन्या, जिम्बाब्वे, क्यूबा, बेलारूस, सूडान, दक्षिण अफ्रीका और कई अन्य देश शामिल हैं। और समय–समय पर हमें कुछ युद्धबंदियों को उनके देश वापस भेजने के अनुरोध मिलते हैं।'' उन्होंने कहा कि यूक्रेन को पता है कि युद्ध में लड़ रहे अन्य देशों के नागरिक भी युद्ध के मैदान में मारे जा रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा, ''हम युद्ध के मैदान में ऐसे लोगों को भी मरते हुए देखते हैं, जो रूसी नहीं हैं, जो आपके देशों के लोग हैं, 47 देशों के लोग हैं और जो छल–कपट तथा चालों के जरिए रूस पहुंच गए।'' उन्होंने इन 47 देशों के प्रत्येक प्रतिनिधि से सीधे अपील करते हुए कहा, ''आप जानते हैं कि रूस आपके लोगों, आपके नागरिकों के साथ क्या कर रहा है। उनका ध्यान रखें और उन्हें किसी दूसरे मोर्चे पर जाने से रोकें। (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर) पुतिन को आपको इस युद्ध में घसीटने न दें। रूस को अपनी समस्याओं से निकलने, अपनी शर्म छिपाने और अपने पागलपन की कीमत आपके लोगों की जान से चुकाने न दें। उसके कार्रवाई करने की गुंजाइश सीमित करें। उसके धन के स्रोत सीमित करें। उसके युद्ध को सीमित करें।'' भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि भारतीय नागरिकों की रूसी सशस्त्र बलों में भर्ती का मुद्दा भारत और रूस के बीच ''विभिन्न स्तरों पर कई मौकों पर'' उठाया गया है।

मिस्री ने कहा था, ''पिछली बार तक हमारे पास 227 भारतीय नागरिकों के बारे में जानकारी थी, जिन्हें रूसी सेना में भर्ती किया गया था।'' उन्होंने कहा था, ''इनमें से 139 भारतीय नागरिकों को सेना से मुक्त किए जाने की जानकारी हमें मिली है। और दुर्भाग्य से, हमारे पास अब तक 51 लोगों के मारे जाने की भी जानकारी है।

Khamenei के सलाहकार की यूएन को चेतावनी, नया हमला हुआ तो Indian Ocean तक पहुंचेगी जंग

तेहरान और वॉशिंगटन के बीच तनाव बना हुआ है, ऐसे में ईरान के सर्वोच्च नेता के एक वरिष्ठ सलाहकार ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने एक और हमला किया, तो ईरान अपनी लड़ाई का दायरा हिंद महासागर तक बढ़ा सकता है। ईरान की फ़ार्स न्यूज़ एजेंसी द्वारा जारी एक वीडियो में याह्या रहीम सफ़वी ने कहा कि चूंकि यह टकराव फ़ारस की खाड़ी और होर्मुज़ जलडमरूमध्य से लाल सागर तक फैल गया है, इसलिए यह मुमकिन है कि और ज़्यादा युद्ध होने पर यह मोर्चा और भी आगे बढ़ेगा और हिंद महासागर और शायद उससे भी आगे तक पहुँच जाएगा। ये टिप्पणियाँ ऐसे समय में आई हैं जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बना हुआ है, खासकर फ़ारस की खाड़ी, ओमान की खाड़ी और समुद्री व्यापार के अहम रास्तों के आसपास। ईरानी अधिकारियों ने बार–बार चेतावनी दी है कि अमेरिका की ओर से कोई भी नई सैन्य कार्रवाई होने पर पूरे क्षेत्र में अमेरिकी हितों और संपत्तियों के ख़िलाफ़ जवाबी कार्रवाई हो सकती है। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, सोमवार को ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने यह भी कहा कि अगर उन्हें और उकसाया गया तो वे अपनी सैन्य रणनीतियों और लक्ष्यों में बदलाव कर सकते हैं। हिंद महासागर दुनिया के पाँच महासागरों में तीसरा सबसे बड़ा महासागर है। यह लगभग 70.5 मिलियन वर्ग किलोमीटर (27.2 मिलियन वर्ग मील) या पृथ्वी की जल–सतह का लगभग 20: हिस्सा घेरे हुए है।

इसके उत्तर में एशिया है, जिसमें भारत, ईरान, पाकिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं। इसकी एक अहम कड़ी बाब–अल–मंदेब जलडमरूमध्य है, जो लाल सागर को अदन की खाड़ी और अंततः हिंद महासागर से जोड़ता है। इस जलमार्ग से होने वाले जहाजों के आवागमन पर हमलों और सुरक्षा संबंधी बढ़ती चिंताओं का असर पहले ही पड़ चुका है। इस स्थिति ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर भी दबाव डाला है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ने वाला एक संकरा रास्ता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

हिटलर समर्थक पार्टी जर्मनी में चुनाव जीतकर भी क्यों नहीं बना पाई सरकार? वजह चौंकाने वाला!

जर्मनी की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। जिस देश ने हिटलर के नाजी शासन का दौर देखा, जिस देश में 1945 के बाद यह कोशिश रही कि ऐसी हार्ड लाइन राइट विंग पॉलिटिक्स दोबारा मजबूत ना होने पाए। आज उसी जर्मनी में एएफडी यानी कि अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी नाम की एक फार राइट पार्टी लगातार बड़ी हो रही है। सितंबर में पहले एक राज्य में चुनाव हुआ। फिर अब मैक्लिनबर्ग और वेस्टर्न पोमेरनिया में चुनाव हुआ और वहां एएफडी सबसे बड़ी पार्टी बनकर जो है वह सामने आई।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

नए दौड़ में लिखेंगे मिलकर नई कहानी! अमेरिका पहुंचे जिनपिंग का कुछ इस अंदाज में ट्रंप ने किया स्वागत

शी जिनपिंग के अमेरिका पहुंचने पर खुद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रोटोकॉल तोड़ा और एयरपोर्ट पर जिनपिंग का स्वागत किया। इस दौरान फर्स्ट लेडी मिलानिया ट्रंप भी एंड्र्यूस एयरबेस पर नजर आई। जिनपिंग के स्वागत में वाइट हाउस में स्पेशल डिनर का आयोजन होने जा रहा है। उसको होस्ट किया जाएगा। ट्रंप और जिनपिंग के बीच बटरल मीट होगी। द्विपक्षीय बैठक होगी जिसमें कि व्यापार टारिफ और बहुत सारे मुद्दे हैं जिसमें चर्चाएं हो सकती है इस बैठक में। तो 11 सालों के बाद जिनपिंग का अमेरिका जाना हो रहा है और ऐसे में 11 सालों के

बाद जब वो पहुंच रहे हैं तो उनकी मौजूदगी, उनकी प्रेजेंस अपने आप में अमेरिका की राजनीति और चीन की राजनीति के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है। इस स्वागत सत्कार की तस्वीरें भी सामने आई हैं। जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने काफिले के साथ जॉइंट बेस एंड्र्यूस एयरपोर्ट पहुंचे। इसके तुरंत बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का प्लेन एयरपोर्ट पर उतरता है और फिर शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंगवान नीचे उतरते हैं। जहां राष्ट्रपति ट्रंप और फर्स्ट लेडी मेलानिया ने स्वागत किया और फिर एयरपोर्ट पर लोगों से हाथ मिलाते हुए दोनों नेता अपनी पत्नियों के साथ आगे बढ़ते हैं। इतना ही नहीं आज रात वाइट हाउस में शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लवान के सम्मान में राजकीय भोज भी रखा गया है। इसके बाद ट्रंप जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बातचीत होगी। इसमें व्यापार, टेरिफ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ताइवान और रूस से जुड़े जरूरी मुद्दों पर बात होगी। क्योंकि दोनों देशों के बीच सबसे बड़ा टकराव ट्रेड और टेरिफ है। पिछले साल ट्रंप के टेरिफ के जवाब में चीन ने भी अमेरिकी सामानों पर टैक्स लगा दिया था। लेकिन अब दोनों देश एक दूसरे के सामान पर लगे टैक्स को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका पहुंचे चीन के राष्ट्रपति शी जिच जिनपिंग। एयरपोर्ट पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने किया स्वागत। ट्रंप और जिनपिंग के बीच होगी द्विपक्षीय बैठक। व्यापार टेरिफ जैसे मुद्दों पर हो सकती है चर्चा। संयुक्त राष्ट्र महासभा से पेजेश्कियान ने ट्रंप को दिया जवाब। बोले ईरान किसी दूसरे देश पर हमला नहीं करता। लेकिन अपनी हिफाजत के लिए उसे किसी की इजाजत की जरूरत नहीं।

स्टेट डिनर में कौन–कौन शामिल होगा?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग गुरुवार को व्हाइट हाउस में बातचीत करेंगे। इस बैठक के बाद एक हाई–प्रोफाइल स्टेट डिनर होगा, जिसमें अमेरिकी टेक्नोलॉजी और बिज़नेस जगत की कई बड़ी हस्तियां शामिल होंगी। व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में ट्रंप और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप की मेज़बानी में होने वाला यह डिनर, शी की तीन दिन की अमेरिकी यात्रा का हिस्सा होगा। व्हाइट हाउस ने बताया कि शी और उनकी पत्नी पेंग लियुआन मुख्य अतिथि होंगे। समिट के लिए शी के पहुँचते ही अमेरिका ने ट्रेड ट्रूस (व्यापारिक युद्ध–विराम) को दो महीने और बढ़ाने का ऐलान किया। ट्रेज़री सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने घोषणा की कि अमेरिका और चीन ने अपने ट्रेड ट्रूस को दो महीने और बढ़ाने पर सहमति बना ली है। यह घोषणा तब हुई जब शी जिनपिंग ग्यारह साल में अपनी पहली राजकीय यात्रा के लिए अमेरिका पहुँचे। शी और उनकी पत्नी पेंग लियुआन (जो एक मशहूर सोप्रानो गायिका हैं) बुधवार को स्थानीय समयानुसार शाम 6 बजे से कुछ देर पहले वॉशिंगटन के पास जॉइंट बेस एंड्रयूज पर पहुँचे। डोनाल्ड ट्रंप ने इस जोड़े से हाथ मिलाया। वे पिछले छह दशकों में ऐसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने जिन्होंने पोप की यात्राओं को छोड़कर, किसी विदेशी समकक्ष का उस हवाई अड्डे पर स्वागत किया।